

Dedicated
to
Our Beloved Founder



Mrs. Amita Singh
(21.07.1953 – 26.02.2014)

Our Inspiration



डॉ. रमन सिंह
मुख्यमंत्री

Dr. RAMAN SINGH
CHIEF MINISTER



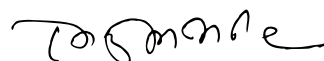
DO. No. 227/Hcm/JS/s /VIP/
DATE 16/01/2016

मंत्रालय
नया रायपुर, छत्तीसगढ़
MANTRALAYA,
NAYA RAIPUR, CHHATTISGARH

संदेश

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हुई कि होली हार्ट्स स्कूल, रायपुर ने अपनी यशस्वी यात्रा के 25 वर्ष पूरे कर लिए हैं और अब अपनी स्थापना का रजत जयंती वर्ष मना रहा है। 25 वर्षों की इस लंबी यात्रा में होली हार्ट्स ने कई प्रतिभाओं को तराशा है, जो अपने-अपने क्षेत्रों में शानदार कार्य कर रहे हैं। आपके संस्थान की छवि सिर्फ अध्ययन-अध्यापन के लिए नहीं बल्कि बच्चों के संपूर्ण व्यक्तित्व के निर्माण के कारण बनी है।

25 वर्षों के अनुभवों और स्मृतियों को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए “सिल्वर जुबली मैगजीन” का प्रकाशन सराहनीय प्रयास है। आयोजन तथा प्रकाशन अपने उद्देश्यों में सफल हो, इसके लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएं...



(डॉ. रमन सिंह)



रमेश बैस संसद सदस्य (लोकसभा) सभापति

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता संबंधी स्थायी समिति
सदस्य, संसदीय सलाहकार समिति (सार्वजनिक उपक्रम)
सदस्य, संसदीय सलाहकार समिति
(नवीन और नवीनीकरण ऊर्जा)



116, संसदीय सौध,
नई दिल्ली-110 001
दूरभाष : 011-23034132
दूरभाष : 011-23018010
पत्र क्र. 44 दिनांक 25.01.2016

संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि होली हार्ट्स स्कूल, रायपुर ने शिक्षा के क्षेत्र में गौरवशाली रजत वर्ष पूर्ण किया है। इस शाला के प्रतिष्ठित छात्र डॉक्टर, इंजीनियर, प्रशासनिक अधिकारी और व्यापारियों के रूप में पूरे राष्ट्र में अपनी जगह बना चुके हैं। इस शुभ अवसर पर सिल्वर जुबली मैगजीन का प्रकाशन भी किया जा रहा है। मैं आशा करता हूँ कि इस पत्रिका के माध्यम से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और उनके अंदर छिपी बहुमुखी प्रतिभा को तराशने के साथ-साथ विद्यालय की उपलब्धियों एवं गतिविधियों के समावेश से विद्यार्थियों में उपयोगिता सिद्ध होगी।

पत्रिका के प्रकाशन एवं इससे संबद्ध सभी लोगों को मेरी हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित है....



(रमेश बैस)

Our Endeavour...

प्रिय पालकगण,
मित्रों एवं मेरे प्यारे बच्चों



स्कूल की सिल्वर जुबली मैग्जीन के माध्यम से आप सबसे रूबरू हो कर मुझे अपार हर्ष हो रहा है। पिछले 25 वर्षों का सफर बच्चों की सेवा करते हुए कैसे निकल गया पता ही नहीं चला। आज इस मौके पर मैं कुछ विशेष बातें आपसे साझा करना चाहूँगा। 16 अगस्त 1989 को इस संस्था की आधारशिला एक किराये के मकान में रखी गई। परिकल्पना मेरी पत्नी स्व. श्रीमती अमिता सिंह की थी। जीवन साथी होने के नाते मैं सहयोगी बन गया। पहले साल में 5 बच्चों के साथ काम करते-करते आज हम इस मुकाम पर पहुँचे हैं जहाँ हजारों-हजार लोग हमारे अपने, हमें स्नेह और आशीर्वाद देने वाले हैं। इस क्षेत्र में काम करते-करते जैसा स्कूल बनाने का सपना हमने देखा था, मुझे लगता है हमने काफी कुछ पूरा किया है। इस संस्था को बनाने में कई ऐसे तथ्य हैं जिनका संबंध मेरी पूज्यनीया माता जी स्व. श्रीमती कमला सिंह से है। उस जमाने में, जब समाज में छुआछूत की कुरीतियाँ अपनी चरम पर थी, मेरी पूज्यनीया माता जी ने एक प्राथमिक शाला शुरू की थी। जिसमें वो सामान्य परिवारों के बच्चों के साथ ही अछूत परिवार के बालक-बालिकाओं को पढ़ाती थीं। मुझे बताते हुए हर्ष हो रहा है कि उनके पढ़ाये हुए बच्चे प्रख्यात विश्वविद्यालय के कुलपति तक हुए। जीवन में मेरे गुरु परम आदरणीय स्व. श्री नाना जी देशमुख का मुझे सानिध्य मिला मैं आज भी उनके बताये रास्ते पर चल रहा हूँ और सदैव चलता रहूँगा। वे हमारे लिए शक्ति के स्रोत की तरह रहे हैं और हमने इनसे भरपूर प्रेरणा ली है। आज हम संकल्प के साथ शाला और अपने छात्र-छात्राओं के विकास का काम कर रहे हैं। हम हमेशा बच्चों के स्वास्थ्य, चरित्र और अध्ययन का स्तर ऊँचा और मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। जैसा संस्था के पुराने सहयोगी एवं पालक, जिनके बच्चे होली हार्ट्स स्कूल से पढ़कर निकल चुके हैं या जिनके बच्चे आज भी यहाँ पढ़ रहे हैं, उन्हें मुझे यह बताने की जरूरत नहीं है कि संस्था को एक निश्चित स्तर पर खड़ा करने के लिए क्या-क्या प्रयास हुए हैं।

मित्रों हर्ष हो रहा है कि आज हम सिल्वर जुबली कार्यक्रम मनाने जा रहे हैं। जिस समय यह स्कूल मैग्जिन आप के हाथों में पहुँचेगी तब तक होली हार्ट्स स्कूल के नए अवतार को भी आप देख चुके होंगे, यह अवतार हमारे लिए सपने से कम नहीं। यह सपना 'द ग्रेट इंडिया स्कूल' का है, इस स्कूल में हम अमर शहीदों के अधूरे सपनों को पूरा करने के लिए पूरी तरह प्रयत्नशील हैं। पूरे राष्ट्र को एक साथ जुटाने के लिए हमने शपथ ली है और हम इसमें आखिरी साँस तक काम करेंगे। द ग्रेट इंडिया स्कूल एक ऐसी संस्था है जहाँ राष्ट्र भर के बच्चे एक साथ पढ़ेंगे, एक दूसरे की संस्कृति को जानेंगे, राष्ट्रीय स्तर की शिक्षा एवं खेल सुविधाओं के साथ अपने कैरियर की तैयारी करेंगे। हमारा प्रयास है कि शिक्षा की ऐसी विधियाँ शाला में उपयोग की जायेंगी जहाँ बच्चों को ट्यूशन या किसी अतिरिक्त कोचिंग की आवश्यकता नहीं होगी। हम पूरे राष्ट्र के हर प्रांत के राज्यपाल महोदयों को पत्र प्रेषित कर चुके हैं कि वे अपने राज्यों से कक्षा 5वीं पास कर चुके एक मेधावी छात्र को हमारी शाला में भेजें। इन सभी बच्चों को हम कक्षा 12वीं तक शिक्षा, आवास, कैरियर कोचिंग निःशुल्क प्रदान करेंगे। छत्तीसगढ़ की पावन धरती पर हमारा यह प्रयास स्वरूप ले चुका है। मैं हमेशा इस बात के लिए आपसे वचनबद्ध हूँ कि आपके बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए हम अपनी स्थिति से भी ज्यादा मेहनत कर रहे हैं और यह हमारा पक्का वादा है कि हमारे बच्चे भारत के बहुत अच्छे, स्वस्थ और हर तरह से परिपूर्ण नागरिक बन सकें। और आने वाले समय में हर तरह की जिम्मेदारी उठाने में सक्षम और सबल बन सकें। इन्ही शब्दों के साथ हम आपसे वादा चाहते हैं कि आपके बच्चों के निर्माण, जो कि देश की सबसे बड़ा सेवा है, में हमारे साथ कदम से कदम मिलाकर सहयोग करें।

धन्यवाद।

19th April 2015

संस्थापक अध्यक्ष

होली हार्ट्स एजुकेशनल एकेडमी



बृजमोहन अग्रवाल

मंत्री

जल संसाधन, आयाकट, कृषि,
पशुपालन, मछलीपालन, धार्मिक
न्यास एवं धर्मस्व विभाग छत्तीसगढ़



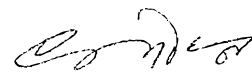
फोन (मंत्रालय) : 0771-2510226, 2221226
फैक्स नं. : 0771-2236212
निवास : बी-5/1, शंकर नगर, रायपुर (छ.ग.)
फोन : 0771-2331070, 2331011
निवास : रामसागर पारा, रायपुर (छ.ग.)
फोन : 0771-2292300, 2293000

संदेश

अत्यंत हर्ष का विषय है कि होली हार्ट्स स्कूल, रायपुर इस वर्ष शिक्षा के क्षेत्र में 25 वर्ष पूर्ण कर लिये हैं स्कूल के सदस्यों को इस गौरवशाली सिल्वर जुबली वर्ष के लिए हार्दिक शुभकामनाएं व बधाई देता हूं कि आपका यह स्कूल आने वाले वर्षों में और नये आयाम एवं कीर्तिमान गढ़ेगा। इस स्कूल ने अपने छात्रों को न कि शिक्षा के क्षेत्र में बल्कि राष्ट्र प्रेम, योग एवं कैरियर के क्षेत्र में भी विशेष मार्गदर्शन प्रदान किया है। इस स्कूल से बढ़ने वाले छात्र आज प्रतिष्ठित डॉक्टर, इंजीनियर, प्रशासनिक अधिकारी और व्यापारियों के रूप में पूरे राष्ट्र में अपनी जगह बना चुके हैं। वर्तमान परिवेश में किसी भी शिक्षण संस्थान से यह अपेक्षा की जाती है कि वह अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु सुविधाएं उपलब्ध कराएं।

यह जानकर खुशी हुई कि इन 25 वर्षों के अनुभवों, यादों एवं शाला प्रबंधन के विभिन्न कार्यक्रम को संकलित कर शाला की सिल्वर जुबली मैगजीन प्रकाशित करने जा रही है।

स्कूल के सिल्वर जुबली वर्ष एवं मैगजीन के प्रकाशन की सफलता हेतु मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।



(बृजमोहन अग्रवाल)



राजेश मूणत
मंत्री
लोक निर्माण, आवास
एवं पर्यावरण, परिवहन
छत्तीसगढ़ शासन




फोन : (कार्या.) 2221316, 2510316
(निवास) 2331065-66
फैक्स : (कार्या.) 0771-2221316,
(निवास) 0771-2331065

संदेश

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हुई कि होली हार्ट्स स्कूल, रायपुर, शिक्षा के क्षेत्र में गौरवशाली रजत वर्ष पूर्ण किया है। शाला परिवार के प्रतिष्ठित छात्र डॉक्टर, इंजीनियर, प्रशासनिक अधिकारी और व्यापारियों के रूप में पूरे राष्ट्र में अपनी जगह बना चुके हैं। होली हार्ट्स ने शिक्षा के क्षेत्र में जिस ऊंचाई को छुआ है, उस ऊंचाई तक हर क्षेत्र में पहुंचने की स्वाभाविक अपेक्षा इस विद्यालय की है।

होली हार्ट्स स्कूल रायपुर अपनी सिल्वर जुबली मैगजीन का प्रकाशन करने जा रही है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि यह पत्रिका छात्रों, अभिभावकों एवं शालेय परिवार के लिए ज्ञानवर्धक सहित दिशादर्शक साबित होगी। पत्रिका के सफल प्रकाशन के लिए शालेय संचालक, प्राचार्य एवं समस्त परिवार को हार्दिक शुभकामनाएं...


(राजेश मूणत)



सत्यनारायण शर्मा
पूर्व केबिनेट मंत्री
 (मध्यप्रदेश तथा छत्तीसगढ़ शासन)
विधायक
 48, रायपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र



शर्मा सदन, गणेशराम नगर,
 बांसटाल, रायपुर 492001 (छ.ग.)
 फोन : 0771-2535300
 0771-2534449
 फैक्स : 0771-2535303
 Email : stnm.sharma@gmail.com
 क्रमांक :
 दिनांक :

संदेश

अत्यंत हर्ष का विषय है कि, होली हार्ट्स स्कूल, रायपुर द्वारा अपने स्थापना के 25 वर्ष सफलतापूर्वक पूरा होने पर रजत जयंती उत्सव 2016 का आयोजन किया जा रहा है। इसके आयोजन से निश्चित रूप से प्रदेश में शिक्षा के क्षेत्र में उत्साह का वातावरण निर्मित होगा। इस प्रकार के आयोजन से युवा-पीढ़ी में नई ऊर्जा व उत्साह का संचार होता है। युवा ऊर्जावान होंगे तो निश्चित ही प्रदेश व देश की तरक्की में सहायक सिद्ध होंगे। साथ ही इस उत्सव के अवसर पर सिल्वर जुबली मैगजीन "संकल्प" का प्रकाशन भी सराहनीय प्रयास है। आयोजन तथा प्रकाशन अपने उद्देश्यों में सफल हो, इसके लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

लक्ष्य में निरंतर सफल रहें ऐसी मेरी कामना है।

शुभकामनाओं के साथ।



(सत्यनारायण शर्मा)



प्रमोद दुबे
महापौर
नगर पालिक निगम,
रायपुर (छ.ग.)



कार्यालय : नवीन मुख्यालय भवन
गांधी चौक, रायपुर (छ.ग.)
कार्यालय : 0771-2223525
निवास कार्यालय : 0771-4039564/2433200
फैक्स नम्बर : 0771-2227395
मोबाईल नं. : 094252-05161
Email : raipurmayorpramod@gmail.com
Web : www.pramoddubey.in

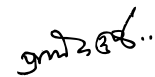
संदेश

अत्यंत प्रसन्नता का विषय है कि, होली हार्ट्स एजुकेशन अकादमी रायपुर शिक्षा के क्षेत्र में अपने 25 वर्ष पूर्ण करने पर सिल्वर जुबली मैगजिन का प्रकाशन किया जा रहा है।

होली हार्ट्स एजुकेशन अकादमी में अध्ययन करने वाले विद्यार्थी समाज के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी उपलब्धि हासिल कर स्थान अर्जित कर रहे हैं। प्रकाशित मैगजिन में होली हार्ट्स स्कूल की 25 वर्षों की गतिविधियों का गौरवशाली संकलन होगा, जो कि सराहनीय है।

पत्रिका “सिल्वर जुबली” के सफल प्रकाशन की कामना करता हूँ।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित।



(प्रमोद दुबे)

मन की बात.....



माँ शारदा के इस पवित्र विद्या मंदिर की स्थापना से, आज पर्यन्त मेरी सहभागिता इस संस्था के साथ है। स्मृतिशेष श्रद्धेय श्रीमती अमिता सिंह की कर्मठता और श्री सुरेन्द्र प्रताप सिंह के अथक प्रयास से आज यह संस्था राष्ट्रीय स्तर पर गौरवपूर्ण स्थान पाने के लिये अग्रसर है। विद्या के इस पावन रथ को गतिमान रखने के लिए चिरंजीव आशुतोष सिंह, सिद्धार्थ सिंह और सौ. हिमाली सिंह अनवरत् प्रयत्नशील हैं।

मात्र पाँच छात्रों से प्रारंभ होने वाली इस संस्था में आज हजारों छात्र-छात्रायें अध्ययनरत् हैं। विगत सताईस वर्षों की इस यात्रा में अनेक होनहार छात्र-छात्राएँ आज प्रशासनिक सेवा, पुलिस, शिक्षा, तकनीकी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण पदों पर अपनी अतुलनीय सेवा देते हुये इस संस्था को गौरवान्वित कर रहे हैं।

पूर्ण विश्वास है कि आप सबके सहयोग से, भविष्य में इस संस्था से देश के लगभग सभी प्रदेशों के एक-एक छात्र छठवीं से बारहवीं तक निःशुल्क विद्याध्ययन करके छत्तीसगढ़ की कला, संस्कृति, रहन-सहन, आचार-विचार से परिचित होकर एक राजदूत बनकर पूरे देश में छत्तीसगढ़ के इस सन्देश को "Nehru's dream is a reality" चरितार्थ करेंगे।

होली हार्ट्स एजुकेशनल अकादमी और द ग्रेट इंडिया स्कूल के उत्तरोत्तर प्रगति और उज्जवल भविष्य की कामना के साथ.....

yky jledelg fl g

वरिष्ठ प्रसारक, आकाशवाणी

ज्ञान दे, पर ज्ञान कितना है, न इसका ज्ञान दे

Late Shri Ravindra Jain at Holy Hearts



Shri Ravindra Jain being greeted by Shri S.P. Singh Sir & our founder Mrs. Amita Singh

Noted Musician and Singer Late Shri Ravindra Jain blessed Holy Heartians many times with his visit to the school. These lines were written by him during his visit in 2006.

ज्ञान दे, पर ज्ञान कितना है, न इसका ज्ञान दे
ज्ञान का यदि ज्ञान दे, तो उससे ज्ञत अभिज्ञान दे
और यदि, अभिज्ञान दे, तो औरों का गुणगान दे
शास्त्रों | स्वर साधकों को, सिद्धि का वरदान दे
साद अन्ते ही कृपा मुझको "पार्ट-पार्ट" में
किन्तु हजेश रत्नना, अपने "होली हार्ट" में



(रविन्द्र जैन)
18-02-2006.

शाला गीत



डॉ. अनिता सेन
विदुषी, विख्यात ठुमरी गायिका

जन्म : 1 सितम्बर 1933

निर्वाण : 17 जून 2003

स्थाई :

है होली हार्ट्स हमारा,
प्राणों से भी प्यारा ।

अंतरा - 1

अपनी अच्छाई से हम, इसके आदर्श निभायेंगे
अपनी सच्चाई से हम, इसके संकल्प संवारेंगे,
ये है गंगा की धारा, है प्यारा हमारा ॥
है होली हार्ट्स हमारा,
प्राणों से भी प्यारा ।

अंतरा - 2

समय बड़ा बलवान हमें विद्यालय ने सिखलाया,
करना कभी न मान हमें, गुरुओं ने बतलाया,
ये है गंगा की धारा, है प्यारा हमारा ॥
है होली हार्ट्स हमारा,
प्राणों से भी प्यारा ।

अंतरा - 3

ज्ञान ध्यान विज्ञान, त्रिवेणों से जीवन भर जाये,
देश प्रेम की, अमर भावना, प्राणों में छा जाये,
ये है गंगा की धारा है, प्यारा हमारा ॥
है होली हार्ट्स हमारा,
प्राणों से भी प्यारा ।

Dr. Jawahar Suriseti
Renowned Educationist
& Motivator



Transition of Education in the 21st Century

This phase that we are currently in is the key factor for the future especially in terms of education. We have a digital first generation where children are more sensitised than the parent and the teacher. To that extent, the teacher may feel disadvantaged. The generation of teachers and parents have a challenge understanding the new age children and the classrooms of future. This challenge of not being able to fathom and monitor the student is a phase which the next gen parents and teachers will not face but this generation is unique in that respect. So the generation gap increases and the student feels ahead of his parents and teachers in terms of the 21st century skills. The teacher and parent tries hard to upgrade from the old school of thought to the new age open education system where adult is not the all pervasive medium of knowledge dissemination. The risks are that students in their overconfidence of one upmanship will also divert to alternate paths which are fraught with dangers unknown.

I would therefore like to enumerate the need of the teacher parent mentor, updating their 21st century skills to atleast monitor and mentor the child and not be overawed by the situation. On the other hand the student of today, incidentally exposed to the digital age for the first time, has to use the skills constructively and allow the freedom of mind to pervade and not the mute use of technology to build his career. Human mind will still remain the differentiator.

There will be more digitisation in education. There will be more differentiation and personalisation in learning based on one's capabilities and individual differences. Span of attention of the student will decrease with time, so there will be a demand for shorter course in higher education leading to employability or entrepreneurship. Thinking skills as a subject will emerge as the front runner in school education. Online assessment and instant feedback will be the future.

So let's get ready to takeoff on the flight to the Classrooms of future !



From Principal's Desk



"We want that education by which character is formed, strength of mind increased, the intellect is expanded, and by which one can stand on one's own feet."

- Vivekananda

The role of today's school is not only to pursue academic excellence but also to motivate and empower its students to be lifelong learners, critical thinkers and productive members of an ever changing global society. In our school we try to provide our students with an atmosphere for multifaceted development, where children are encouraged to channelize their potential in the pursuit of excellence. We embark on this mission of creating individuals who are confident about their potential, diligent to work towards their goal, sensitive to their environment and above all co-creator of their destiny. The children are the architects of the future of a nation and their education should not be confined only to the classroom. Moreover the present generation encounters a variety of temptation in all forms luring them away from their goals and making them lose their perspective. Their boundless energy needs to be tapped and I think this glorious task can be best executed by the teachers, who are at the helm steering the ship of the pupils' destiny towards a commendable zenith. Besides imparting quality education, teachers help them to be creative, innovative as well as good citizen.

We are ready here with our school magazine "SANKALP" to immortalize the memories of last 25 years. It is a colourful bouquet past memories, of literary contribution of budding writers and provides inside views of activities and achievements of the school. The school magazine is a reflection of the efforts and achievements of the staff and students in academic, sports and co-curricular activities. Working for the magazine has indeed been a rich experience for me and my team. The creation of the magazine provides many opportunities to appreciate the kindness, generosity and ready help of my colleagues and the students. I take this opportunity to extend my profound indebtedness to the management for their invaluable support and guidance at every step.

Thanking you all!!! Hope it provides an enjoyable reading experience.

With best wishes

Mrs. Kalpana Tiwari



From the Headmistress' desk

Dear Parents,

Holy Hearts School is unique and special as it is rooted in the rich Indian culture and values. It's also special because it combines the progressive ideas and techniques so that the student gets best in education.

We in Holy Hearts don't just aim to impart knowledge, but aim to create enlightened individuals who can deal effectively with the challenges of today's competitive world.

No compromise is made in our basic beliefs to satisfy the individual. Each student's individuality is respected and the student is taught to compete against himself or herself rather than against others.

Good behaviour must not be to impress others but should be to satisfy one's own self respect.

Character training is fostered by the environment we create and the opportunity we offer students. The Students are given the opportunity to handle responsibility and also to accept responsibility for their personal actions to acquire new skills and to make decisions for themselves. Discipline must be based on example and self control because we at this school are involved not in the control of the masses but in individual development for leadership.

When they come out from Holy Hearts School, a child must have a sense of social and moral values, a sense of service and compassion, a respect for nature, tolerance and humanitarian spirit, smart and confident and who will go out into the world and make us proud.

Miss. Shalini Agrawal

Discipline



Discipline is the most important factor of our personal growth and development of our society. Discipline could be explained as a proper system of rules of conduct or method of practice. In perspective of student's life it is a system to develop behaviour of children by instruction and practice. In older times students were punished in order to gain control by enforcing obedience. Still controlling is done by punishing in wild way.

Discipline is the word derived from Latin word "Discipulus". This means to learn. So discipline could be described as a trail by which one learns to controls their own feelings and emotions to bring change in behaviour. Thus discipline teaches us to act and think with maturity and responsibility

In today's society parents and teachers are responsible to teach children obedience to children.

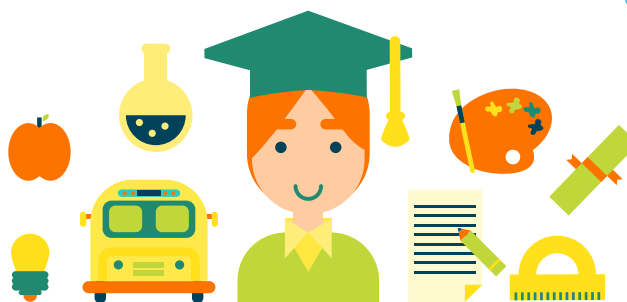
The basis of the whole universe is Discipline the nature, solar system work according to certain laws to maintain perfect harmony and beauty without which the whole system will collapse. So we creatures are also expected to follow discipline as it is the basic requirement of civilized society. If students maintain a time table to go to school, study hard, play with joy, obey their teachers, parents, elders, then they are civilized. If you obey traffic rules, country's laws, avoid violence, respect others, share your knowledge, help the needy, then you too are disciplined. Every profession any service, industry, economy government needs discipline to function well. Disciplined individuals make a better society and make their nation proud. One great example of disciplined organization is our own body where all our organs work in a perfect harmony and miraculous rhythm to support or to help each other part.

So what are the fruits of discipline?

You shall have virtue of self control; develop maturity to move in right direction, ability to use right tools to achieve right goals, capacity for self sacrifice for others and attains desired success. This will bring peace, progress and prosperity in the society and add charm and colour to your own personality.

Mrs. Neera Dongre
Counsellor

Pedagogy and Curriculum



Before we go on to a discussion about Pedagogy and Curriculum, we need to understand these two terms.

Pedagogy is the science and art of Education. It is the study and practice of 'how best to teach'. We can call it the method of teaching, especially an academic subject or theoretical concept, a study of teaching methods and the ways in which such goals may be achieved.

Curriculum may be defined as the planned interaction of pupils with instructional content, materials, resources and processes for evaluating the attainment of educational objectives. It includes all the learning planned and guided by the school. It is the total learning experience provided by a school. It includes the content of courses (the syllabus), the methods employed (strategies) and other aspects, like norms and values, which relate to the way the school is organized. Every classroom and every pupil is either intentionally or unintentionally concerned with Pedagogy and Curriculum. Curriculum is what is to be learned and Pedagogy is how people organize learning and teaching.

The teachers in order to be effective use a variety of teaching strategies because there is no single, universal approach that suits all situations. Different strategies used in different combinations with different groupings of students will improve learning outcomes. Some strategies are better suited to teaching certain skills and fields of knowledge than are others. Some strategies are better suited to

certain student backgrounds, learning styles and abilities.

Effective pedagogical practice promotes the well-being of students and teachers' confidence and contributes to their sense of purpose for being at school. Curriculum can be considered on a continuum between an 'imposed' curriculum at one extreme where all content is predetermined irrespective of particular learners, and an 'emergent' curriculum at the other extreme where all content arises from the people in a particular.

The more imposed the curriculum the more rigid the teachers attitude becomes. In a classroom when a teacher of 11 years old children was asked what they were going to be learning about ancient civilization, she pointed to the textbook and said, "We'll be following this". This view of curriculum clearly shows that the teacher relies on what people outside the classroom had previously decided ought to be taught in the class.

An imposed curriculum is apparent from statements like 'this is what we have to cover' whereas an emergent curriculum is apparent in statements like 'what we are interested in'.

Curriculum becomes more emergent the more teachers pay attention to the needs and interest of children. A teacher will have an orientation towards the curriculum that tends to be more imposed or more emergent. Every teacher to a greater or lesser extent pays attention both to what others say should be learned and what the children are interested in. Curriculum can extend far beyond

the advanced knowledge, skills and understanding to a social curriculum of learning to work together as a group which can to an extent be imposed by the teacher and emergent from the social needs of the children.

Thus, we can say that the basic difference between Curriculum and Pedagogy is; Curriculum is all about what to teach and Pedagogy is about how we teach it and 'how' the teaching and learning occurs. Students are not empty vessels to be filled with our expert knowledge. They must construct their own understanding through our considered learning experiences.

If we see Pedagogy and Curriculum in continuation then we can conclude that in the best interest of the students, Pedagogy and Curriculum should not be rigid and it should be flexible enough to suit the needs and interest of different groups of students in the classroom. Teachers need to assess the different groups of students and then self-assess whether they want to change their dominant curriculum or pedagogical orientation.



Mrs. Poonam Shetty
Vice Principal

A Temple Called Holy Hearts



Greetings. 'SANKALP', the first edition of school magazine very well reflects the journey of 25 years of Holy Hearts. I have been fortunate to be a part of this journey and witness it since last 18 years. Under the guidance of our founder Late Mrs. Amita Singh and respected Singh sir, I got this opportunity to visualize and realize that how a passionate teacher touches the life of a child and leaves an impression on his personality forever. With a passionate heart and dedicated attitude holy heart teachers were the pioneers of Montessori schooling system in Raipur. I recall how little ones were pampered and taken care of despite of little available resources.

Life is continuous process of learning. Holy Hearts has been a temple of learning for its students as well teachers. This is the reason why many of the teachers who joined the institution stayed back since then and are still contributing and have now become strong pillars of this school.

After mother, a child always looks towards his teacher. He/she is the one who enlightens the little minds and thoughts. Holy Hearts system works continuously on complete development of its teachers who emerge out to be caring and dedicated motherly figures.

With each year passing by Holy Hearts has come up as an institute where education is imparted through latest means and technologies along with its basics which lies in following our culture, ethics and moral values. Holy Hearts premises acknowledge 'Gayatri Mantra's' in its assembly organize iftaars during Roza's. Here, actually a child learns to respect different cultures and religions with feeling of oneness.

"Every child is special and needs to be recognised and appreciated for his/her qualities. And a teacher is the only one who can bring out the talent of a child and motivate to proceed in life. So a teacher needs to realize that he/she shoulders such a big responsibility towards society and country". This thought of our founder 'Late Mrs. Amita Singh' inspired and motivated many teachers like me.

Although she is not with us now, but her vision and words remains even today with us as a guiding light.

A child is future of its nation. Students should be educated such that they acquire social, emotional, psychological and of course academic soundness/stability. Team Holy Hearts is determined towards its mission; mission of preparing students who are of strong minds and sensitive hearts, who are capable of serving their people and country and can make this world a beautiful, peaceful and happy place for everybody.

Mrs. Hemali Singh

Administor, Holy Hearts School, kids Section

Education in the age of Google



We have come a long-long way from steam-engines and telegrams. It is difficult to comprehend the measure by which, our ways of living has changed. Today, our lives are highly influenced by technology. The funny thing is that majority of these technical innovations were not even imaginable during the times when our mass education system was conceived. This has given birth to an important question, whether our education system is fit as it is for preparing our children for the future. The challenges of today's teachers and parents have changed; today we have a plethora of media. Information is so accessible and widespread that our role as educators has evolved. Teachers need to focus on adding more value to the already available information as opposed to just disseminating information. Our children are becoming smarter every day, the toddlers in my own house 'operate' and I mean operate iPad and iPhone with dexterity. What this truly implies is, in the coming times accessing information will only get easier and thus the value of plain information will get lower. Hence, to succeed in the future, our children must learn to understand how to analyze the given information to get the competitive edge. Thus mugging and rote learning will fail miserably and only those will succeed who know how to make more sense with what they know. We as educators must realize that our role now, is to ensure that our children become independent learners, that they become capable of comprehending real-world problems and solving them using their knowledge.

The past few years have provided an array of educational technologies like smart class solutions, language labs, novel science experiments and the list goes on. However all these will only be beneficial when we can integrate them completely with our classroom teaching.

We are all (still) monkeys!

As parents, we are an important pillar in the life of our child. The child draws emotional energy from us and looks up to us for learning. It is scientifically proven that humans are inherently social being and learn majorly by imitation. Thus a child 'imitates' what the parent and family members do.. So a parent must do what he/she expects his/her child do. Certainly this does not mean that a parent must go to medical college if he wants his son to become a doctor; but in general matters relating to a child's behavior like eating and sleeping habits, this method is very useful.

Many a times, parents come to us with complains of irregularities in their child's life but what they often miss to see is that these irregularities stem from their own lives and is then imprinted on their child.

Thoughts on cell phone usage among children,

I have observed for long that more and more children are using cell phones, and they are using them at an ever younger age. There are many scientific studies on this issue and the approvers and nay-sayers have had heated debates. However the baseline remains that rampant use of mobile phones have deteriorated concentration and thus learning potential of the young. This problem is not new and many have pointed out the long term effects of this. I am more interested in finding out ways to find make the situation better. The most important thing to consider is that it is just not possible to think that you can completely stop mobile phone usage of your child. However we can create some healthy habits in this aspect. It is known that mobile phone usage affects academic work when it is used simultaneously with studying. Hence there must be a strict rule of not allowing mobile phone usage while studying. Additionally, parents should try to have lively conversations with their kids as research has shown that kids take shelter in the virtual world of social media when they don't get enough warmth in their own family. My elder brother and mentor once told me of a great morning ritual where all of the family comes together and share the dreams that each one saw during the night. This is a wonderful exercise as it opens up exciting conversations.

Think not of the fruit but of your duty and you shall be blissful

This is an interpretation of a wonderful verse from the Gita, it means that one must not do a task or embark on a mission solely for the end result. This comes from an ancient scripture but let me assure you that it's all the more valid in today's age where consumerism is taking over the world. I am not here to lament the rise of big brands, but I am here to remind you that while its good to aspire for a material life, its also important to be connected to our purpose, the reason for our being. The logic is simple, if I do something only for the end result then my happiness is directly attached to that end result and the moment I get it I feel happy but quickly that happiness fades away and in case I fail to achieve my end result I sink in an ever-

deepening sense of sorrow. Thus in any case I am either happy for an instant or sad for a long time. This leads to a senseless rat race that moves in circle. But we as humans deserve more and we deserve happiness, and the only way to be happy is to seek it in the journey and not in the end result. This is what the Gita tells us, when we start seeking happiness in the duty then we will be happy regardless of the result and this will lead to true liberation from anxiety and sorrows. How we as educators and parents can benefit from this piece of wisdom? By seeking contentment in our work with the child and not on the final exam results; when we will do this we will find that our work will become more enjoyable and our efforts will be more fruitful.

A lesson from my mother

I am fortunate to be born to a visionary leader, my mother has been a silent force in many lives. Her life has been an inspiration to us. She gave me many priceless lessons, some of which I wish to share with you, the reader.

Truth is the most powerful weapon, she said. When I was little, I used to ask my mother about how we can save ourselves from bad people who were more powerful than us; she would listen to my innocent question and say "Truth is the most powerful weapon, if you are truthful then you need to fear no-one"; these words left a mark on me. In the years that followed, I have experienced this lesson first hand.

She also used to say that if every human starts to work for the whole mankind and not just for his own family/nation, then the world will become heavenly.

To conclude, I would quote some words of our founder

"The teachers need to stand up. The family of the child must be touched. The teacher should be highly involved with the students."

"Education goes to home, beyond the classroom."

"Teachers must be aware of each and every student including demographic and sociological information like habits and background of the parents, economic status."

Siddhartha Prakash Singh
 Manager Administration

Special Moments



S.P. Singh Sir presenting Swami Vivekananda Sahitya to Mrs. Pratibha Devi Singh Patil, President in 2009.

Special Moments



Shri S.P. Singh Sir sharing the development in Holy Hearts School and his vision for The Great India School while meeting the Hon'ble Chief Minister Dr. Raman Singh in Nov. 2015

Nothing but memory remains



Singh Mam with teaching staff in year 1995



School choir during annual function - 1997



Toddlers performing in annual function 1997



Little Holy heartian plays Mother Teresa



Singh Sir greeting Shri Govind Lal Vora



Holy heartians at Golconda Fort Hyderabad



Students enjoying excursion



Shri Brijmohan Agrawal on Viveknand Jayanti



Glimpse of annual function-2000



Academic team in 2006



Students rejoicing their victory at Annual Sports Day



Shri D.M. Awasthi at School's Annual Sports

Special Moments



Holy Heart School Family with Lt. General K.M. Seth (Hon'ble Governor Chhattisgarh) in 2007



Shri Ramesh Bais, Member of Parliament Raipur with Shri S.P. Singh Sir in the School



Shri Brijmohan Agrawal, Minister Govt. of Chhattisgarh being felicitated at the School with Raja Mahendra Bahadur Singh, Protem Speaker, Chhattisgarh Vidhan Sabha

Special Moments



Students being felicitated by Dr. Raman Singh, CM for contribution to help age India



Shri Satyanarayan Shrama Minister Education graced the school by his visit in year 2001



Shri Sunil Soni, Mayor Raipur Nagar Nigam in 2005



Swami Swaroopananda Ji being felicitated in 2008

Archives



Singh Mam with students with 1990 Batch



Famouse Odissi Dancer Miss. Ipsita Behura Visited Holy Hearts for performance



Shri D.M. Awasthi & Shri A.B. Dubey at function in 1996



Singh Mam felicitating a parent

Archives



Students at Educational Trip to Puri



Students at Educational Trip to Himachal Pradesh



Singh Mam Felicitating Mr. A.B. Dubey



Singh Sir Felicitating Mr. Arun Sen



Annual Function 1999



Raja Mahendra Bahadur Singh, MLA as Chief Guest in Annual Function 1998



Shri Subhash Mishra being felicitated by Singh Sir

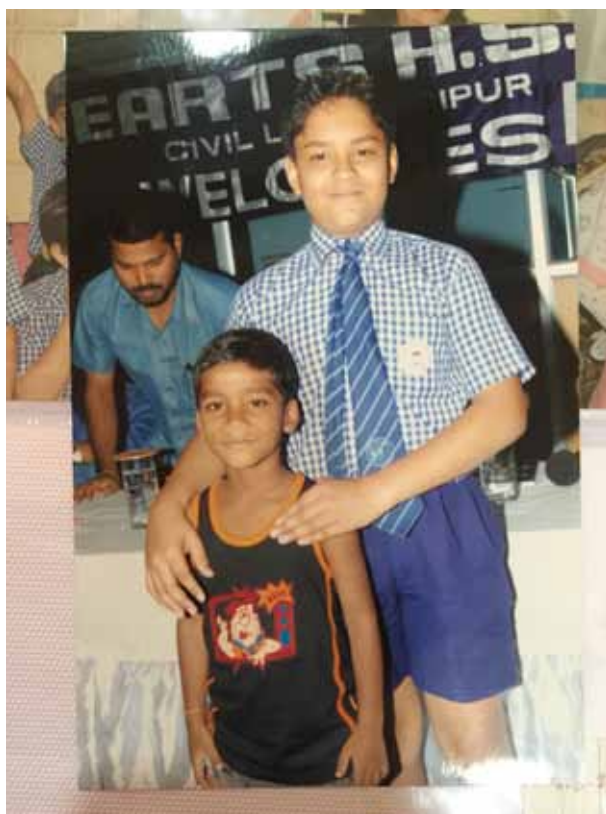


Singh mam with toddlers during various functions in the school

Archives



Glimpses of Annual Function & Sports Day in 2001



Marathon Boy "Budhiya"



Shri Lal Ramkumar Singh



Glimpses of a Cultural Show



Academic School Staff in year 2003

Archives



Glimpse of School Assembly in 1995



The School Shifted to this Building in 1993



Our Inspiration Shri Shiv Pujan Singh with Singh Mam



Dr. Pramod Singh at a function



Freedom Fighters being honoured



School cabinet meeting Shri M.K. Raut, IAS, Collector, Raipur in year 2000



School cabinet with the First School Bus in 2000



Academic School Staff in year 1998

Archives



Shri Ajit Jogi, First Chief Minister of Chhattisgarh being greeted by Singh Sir & Mam at the School, along with Shri Devvrat Singh, MLA



Singh Mam Addressing the students in 2006
on occasion of Annual function



Holy Heart School has been run in this building from 1993 to 1998



School Girls Ready for Cultural Show



Class 12th Batch 2004

Independence Days & Republic Days at the School



Dr. S.K. Pandey, Vice Chancellor, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur Hoisting the Flag at Independence Day 2015



Mr. Shailendra Kumar Shukla, CEO, CREDA Hoisting the Flag at Republic Day 2015



Lt. Shri Deoraj Singh Surana, Advocate General Hoisting the Flag at Independence Day in 2012

Independence Days & Republic Days at the School



Freedom Fighter Shri M.P. Pandey as Chief Guest
Independence Program in Years 2011



Famous Writer & Freedom Fighter Shri Ravichandra Gupta as chief guest on Independence Day 2013



Mrs. Amita Singh Madam Hoisting the Flag at Independence Day 1996

Memorable Day



Kopal is pursuing
MBBS in Bhopal

Our Student Kopal Dani got in Opportunity to meet the legendry Dr. A.P.J. Abdul Kalam in year 2005, she requested the President for an Autograph & he signed her palm making the moment memorable for her entire life.



Singh Mam felicitating International Cricket Star Mr. Rajesh Chauhan at School's Annual Sports Day

Pillars of Holy Hearts



Mr. S.K. Agrawal
Consulting Engineer



Mr. Sunil Johri
Chartered Accountant



Mr. Suraj Kumar Tiwari
B.Com, FCS
Company Secretary



Dr. Mrs. Sachi Johri
MBBS, DCH,
Medical Consultant



Thakur Anand Mohan Singh
Legal Consultant



Mr. Abhishek Singh
Legal Advisor

Stars of Holy Hearts

Class X Results (2014-15)



Jatin Begani
10 CGPA



Priyanka Narwani
10 CGPA



Rashmi Poya
10 CGPA



Sakshi Sawai
10 CGPA



Samyak Jain
10 CGPA



Shreeya Gupta
10 CGPA



Vinamra Bathwal
10 CGPA

Class XII Results (2014-15)



SK Arvind
93.6% Maths



Saurabh Anand
92.8% Commerce



Karan Kochar
91.4% Commerce



Rishabh Jhabak
91% Commerce



Jayant Tandi
90.8% Biology

My Message to my Pupil

A school does not only provide modern and scientific education but also inculcates cultural and aesthetic values in the students. My mission is to create responsible youth who would face the challenges of society and the nation with an iron will and a strong hand. An institution provides its students a platform to exhibit their creative skills and talents.

I believe if children sincerely develop their skills, they will positively achieve their goal. A great philosopher Epictetus said, "You carry a God within you and know nothing of it." We forget that our abilities are limitless. Having an interest in anything is clue that someone is prompting us, "you can do this, don't hesitate, and go ahead." We can do more of the things we love. To bring out the inside talents, we are shaped and guided by what we love.

Charles Schultz, the famous cartoonist was poor in studies and outdoor activities. He always scored lowest marks in the class. He remained mediocre for a long time but he had a streak of talent that was drawing. He sent his drawing to Walt Disney, which were turned down promptly. He was not disappointed because he thought that one day his drawings and cartoons will be recognised. His dream became true. He began with a cartoon strip called Peanuts in 1948 and became one of the best cartoonist in history. He walked through the hall of fame with many admirers.

Do you know that lot of human potential gets overlooked and buried inside. Each one of us has talents which can be turned into an asset. Almost all the talents manifests in our childhood. If we can just set our mind to do something, we can do anything. We can shine in any area which we discover.

Unfortunately, we get focused in trying to fix our weakness and here we fail. Talents are instinctive and naturally recurring patterns of thoughts. Skills reveal if you can do something, but talents reveals how well and how often you can do it. Talents are innate and enduring whereas skill needs learning and applications. The happiest people in this world are those who weave simple pleasures into their lives, rather than wait for big enjoyments. We are what we believe we are and our success depends on how we nurse and strengthen that belief. If we believe in ourselves and our abilities, our potential and mental makeup would be aroused for optimum performance.

You must work to keep your faith alive. You must have faith and experience in order to live life fully. You must have faith that all of the things you expect from life are possible for you; you must have faith that no matter what life brings you, you will be able to handle it. You must also have faith that your faith will eventually lead to a good experience. Experience teaches you that your faith is paying off. Once you have an experience, it makes you to get better or different experience. The difference between faith and experience is that, one you must work on and the other one works on you.

At the end I can say that when we know more and more about ourselves we climb to top with confidence, so believe in good life which is worth living. If we know more of ourselves, we became creative, which means seeing the whole life as an adventure.

KalpanaTiwari


Principal

"Education is a debt from the present to the future generation. The roots are bitter but the fruit is always sweet."

Holy Heartians always ready for the Society



Holy Hearts School Students contributed Rs. 1.11 lac towards Chief Minister's Relief Fund on 8th January 2016 seeing in the picture of along with Hon'ble Chief Minister Dr. Raman Singh seen in the picture are Shri S.P. Singh Sir, Dr. Jawahar Suriseti, Shri lal Ram Kumar Singh, Siddhartha P. Singh & Ashutosh Singh



Joy of Giving

Contribution to various relief funds

PRIME MINISTER'S NATIONAL RELIEF FUND
(PAN : AACTP4637Q)

Receipt No. 14149 / 2015 Dated 01-Jul-2015

Received with thanks from: HOLY HEARTS EDUCATION ACADEMY
CIVIL LINES, RAIPUR,
CHHATTISGARH

the sum of Rupees ONE LAKH FIFTY ONE THOUSAND ONLY

By Draft Bearing No. 917067 dated 30-04-2015

BANK OF MAHARASHTRA
NEW DELHI

₹ 151000.00

(Contributions to Prime Minister's National Relief Fund have been notified for 100% deduction from Taxable income under section 80(G) of Income Tax Act, 1961)

PRIME MINISTER'S OFFICE
NEW DELHI

Section Officer
Prime Minister's National Relief Fund

Secretary
Prime Minister's National Relief Fund

Cheque Subject to Realisation

P. K. Bahl,
Under Secretary,
Tele: 23073483
FAX: 23013655

Date: 01-July-2015

B.O. No. 224C-289/2267-PHF

Dear Sir

We acknowledge with thanks the generous contribution made to the Prime Minister's National Relief Fund.

The Prime Minister appreciates this thoughtful gesture and assures his gratitude. This valuable contribution will be of immense help in providing assistance to the victims.

A formal receipt is enclosed.

With regards,

Yours faithfully,
[P.K. Bahl]

DR. SURENDER PRATAP SINGH
HOLY HEARTS EDUCATION ACADEMY
CIVIL LINES, RAIPUR, CHHATTISGARH

HOLY HEARTS EDUCATIONAL ACADEMY
The English Medium Educational School
Affiliated to CBSE - New Delhi
Bilaspur No. 200006, Bilaspur, Chh. 492002

सेवा में
प्रधानमंत्री
राष्ट्रीय आश्रम (राष्ट्रीय आश्रम)
राजधानी क्षेत्र, नया दिल्ली

विषय :- 300 बचत बैंक के जमाव के लिए ।

श्रीमान,
कृपया 300 बचत बैंक विवरण दिए जाने पर 10.11.15 तक जमाव करके की जाय। धन्यवाद करें। अतिरिक्त राशि की भरवाई में रु. 30,000 का बैंक चिस्सा नम्बर 001473 बैंक आक नम्बर 001 का भी भेजा है।

की प्रतिलिपि
इलेक्ट्रॉनिक
नियंत्रण प्रणाली
कंप्यूटर पर - नया दिल्ली
दिनांक - 01/07/2015
व. स.

आपका
राष्ट्रीय आश्रम (राष्ट्रीय आश्रम) केन्द्र
राजधानी क्षेत्र, नया दिल्ली
नया दिल्ली

सचिव, प्रधानमंत्री
राष्ट्रीय आश्रम (राष्ट्रीय आश्रम)
राजधानी क्षेत्र, नया दिल्ली

CHIEF MINISTER'S OFFICE
GOVERNMENT OF BIHAR
GURUTHA

No. 256 /CMO/2015 Dated: 1st March, 2015

To:
Shri S.P. Singh,
Director,
Holy Hearts Educational Academy,
Civil Lines, Raipur,
Chhattisgarh

Subject: Contribution to Chief Minister's Relief Fund.

Sir,

We thankfully acknowledge the receipt of ₹1,51,000/- (Rupees One Lakh Fifty One Thousand only) from Teachers, Students and Management of Holy Hearts Educational Academy, Civil Lines, Raipur, Chhattisgarh. The amount has been credited to the Chief Minister's Relief Fund at HDPC Bank, Ganga Ghat, Patna on 14th March, 2015.

It is also informed that such contribution made to the Chief Minister's Relief Fund is exempted U/S 80GG(2)(b) of the Income Tax Act, 1961 for exemption.

Yours faithfully,
[Signature]
Joint Secretary
Minister's Office
Govt. of Bihar

Enclosed - Bank Receipt

SAVE -School Advocacy and Value Education



In Indian cities, the number of elderly without children feeling insecure and seeking help has been rising. According to an India Today report (July

2007), police records reveal that in Delhi, the capital city of the country, this number has jumped three times in last 18 months. The source of anxiety and fear are the goons, builders and even their own children trusting whom many parents have come to grief. The Mumbai Police Helpline for senior citizens receives over 80 calls a day. In Hyderabad, police constables do the rounds with newspaper hawkers each morning to keep a tab on the elderly.

In Bangalore, and Chennai, new symbols of knowledge cities of IT India, the police are busy locating senior citizens living alone on account of increasing attacks on them. Delhi and Kolkata have now launched police verification schemes for domestic help working with the elderly. In Chennai the police have introduced bicycles patrolling in the evenings while in Pune they visit the elderly once a week to lend an "empathetic ear". However, the culture of empathy is yet to permeate the rank and file and looking after the older people in this manner is a formidable challenge. The Helpline set up by the Help Age India gets hundreds of calls from senior citizens suffering serious neglect and rejection from their abusive, unaccommodative children. The elder abuse report from HelpAge India also indicates one in 3 elderly living in cities face abuse from the hands of their own children. The abuser is mostly the son in the family and not the daughter in law as commonly perceived.

Older people living in rural and remote areas are combating poverty and marginalization and difficult social conditions. Those living in the slums are economically most deprived and socially marginalized constituting a large segment of urban poor. Children from rural areas are migrating to the cities leaving their parents behind. In many villages in Jharkhand

and Chhattisgarh families regularly migrate to Punjab and Haryana and other areas for work. Older parents are, as a result, left alone in their homes and nobody to care for them.

We have been looking at ways to improve inter generational solidarity. There are several instances of facilitating the mutual contact between the two generations with a fair degree of success. A contact within the family units has even proved better resulting in more positive attitudes towards the elderly.

Likewise Corbin Etall (1989) have reported a seven day interaction programme promoting elderly visit into 5th grade curriculum with special focus on varied subjects such as art, dance, music, poetry, history and language generating more positive attitude among the children about the elders. The authors observed that the attitudes were maintained for almost a year after the programme. According to gerontologist Olejnik and Larue, in similar programmes like this, adolescent's attitude towards older people became less negative. It is observed that in families where children and their grand - parents co-reside the quality of their communication and consequent emotional bonding enhances to the advantage of both.

In this context, Glass and Knot (1982) have suggested three important ways through which children's attitude could be changed i.e.:

- ii) Through discussion with peers
- iii) Through direct experience with attitude objects and
- iiii) Through increased information and knowledge. (as quoted in Youth Attitudes Towards the Elderly: Impact of Intergenerational partners, Aday, Sims, Evans). Using these methods many researchers and age care -practitioners have achieved encouraging results.

There were activities in the classroom focusing

on students awareness of elderly and process of ageing, role play simulation exercise etc. In session one lasting about 90 minutes, Senior citizens visited children's school, in session two, children visited senior centres, in session three, small gifts were exchanged followed by mutual interaction, session four was devoted to painting and music.

Session five was a reminiscing group activity to discover activities and values each group found common in the other. Topics of interaction were pets, lack of independence, good time etc.

Session six was a performance by Ripe and Ready Players in which seniors sang on various aspects of ageing with other seniors and students as audience. This was followed by small group discussions on various aspect of ageing and staying active. Session seven titled informal sharing - was devoted to experience sharing to "deepen their friendship and knowledge about each other". Session eight- Farewell Picnic-was used to end the programme of mutual learning and knowing in which parents of the students, joined and talked about their experience of this programme.

HelpAge India has been using all and in some cases some of these models based on availability of time in our SAVE programme to see that children and grand -parents remain in touch and very often this interaction sensitises both the generations and we hope in the future children will take care of their own parents and bring out a better caring India. It also provides an opportunity for the children to do a social service at a young age will be a stepping stone for the future.

Mathew Cherian,
Chief Executive Officer, HelpAge India

Holy Hearts Montessori School

(Toppers) Gold Medalists For The Year 2014-15

NURSERY

No	Name of Prize Winner	Percentages	Grade
1	Vibhutti Veerani	100%	A++
2	Aarush Lahori	100%	A++
	Daraksha	100%	A++
4	Aashish Chawala	100%	A++
5	Krishna Gupta	100%	A++
6	Muskan Panjwani	100%	A++
7	Moh. Maruf Chishty	100%	A++

P.P.-I

No	Name of Prize Winner	Percentages	Grade
1	Aagya Jain	100%	A++
2	Soumya Gurudwan	100%	A++
3	Vinayak Narwani	100%	A++
4	Vansh Choudhary	100%	A++
5	Hargun Kaur Chhabra	100%	A++
6	Moh. Farid Aadil	100%	A++
7	Aakrit Jaisinghani	100%	A++
8	Parth Kingrani	100%	A++

P.P.-II

No	Name of Prize Winner	Percentages	Grade
1	Ananya Das	100%	A++
2	Megha Das	100%	A++
3	Ritika Manglani	100%	A++
4	Apurva Lahiri	100%	A++
5	Huzefa Dargahwala	100%	A++
6	Kunal Pamwani	100%	A++
7	Moh. Hamza Khan	100%	A++
8	Moksh Singh	100%	A++
9	Naman Singh Rajput	100%	A++
10	Priyanshu Soni	100%	A++
11	Aradhya Shukla	100%	A++
12	Mugdha Jais	100%	A++
13	Priyanka Manwani	100%	A++
14	Rahila Parveen	100%	A++
15	Rashi Thakkar	100%	A++
16	Ridhima Raheja	100%	A++
17	Shazia Raza	100%	A++
18	Shraddha Hindocha	100%	A++
19	Stuti Jain	100%	A++
20	Tarush Shukla	100%	A++

No	Name of Prize Winner	Percentages	Grade
21	Amitabh Singh	100%	A++
22	Mitesh Dewangan	100%	A++
23	Samarth Agrawal	100%	A++
24	Yuvraj Chhabaria	100%	A++
25	Disha Ahuja	100%	A++
26	Ishika Kukreja	100%	A++
27	Vaishvi Singhal	100%	A++
28	Zainab Saify	100%	A++
29	Pranjal Gondane	100%	A++
30	Satyam Singh	100%	A++
31	Gurmehar Kaur Rajput	100%	A++
32	Kavya Yadav	100%	A++
33	Siddhiksha Tiwari	100%	A++
34	Aditya Kumar	100%	A++
35	Aarav Sharma	100%	A++
36	Alim Ahmed	100%	A++
37	Ashvni Chandrakar	100%	A++
38	K.B.Vijay	100%	A++
39	Lakshya Dewangan	100%	A++

Holy Hearts Educational Academy (Toppers)

CLASS I

No	Name of Prize Winner	Percentages	Grade
1	Avanee Saxena	99.16%	A1
2	Divyansh Tiwari	99.16%	A1

CLASS II

No	Name of Prize Winner	Percentages	Grade
1	Shruti Tiwari	98.66%	A1

CLASS III

No	Name of Prize Winner	Percentages	Grade
1	Nayan Jain	98.51%	A1

CLASS IV

No	Name Of Prize Winner	Percentages	Grade
1	Bharat Jain	98.54%	A1

CLASS V

No	Name of Prize Winner	Percentages	GRADE
1	P. RISHINDRA RAO	98.10	A1

CLASS VI TO XII

No.	Name	Class	CGPA
1	Ambika Sharma	VI A	10
2	Ananya Agrawal	VI A	10
3	Avisha Panjwani	VI A	10
4	Priyanshi Gupta	VI A	10
5	Devanshi Agrawal	VI B	10
6	Dimple Sadrani	VI B	10
7	Harshit Agrawal	VI B	10
8	Himanshu Yadav	VI B	10
9	Husain	VI B	10
10	Keshav Lohani	VI B	10
11	Vishal Sangtani	VI B	10
12	Prapti Mondal	VI D	10
13	Rimsha Aman	VI D	10
14	Shivika Khurana	VI E	10
15	Tiya Thakur	VI E	10
16	Aishwarya S. Thakur	VII A	10
17	V. Yashika Golchha	VII A	10
18	Asfiya Harman	VII B	10
19	Deepanshu Namdeo	VII B	10
20	Gourav Mehta	VII B	10
21	Gitarth Doshi	VII B	10
22	Harsha Mayani	VII B	10
23	Jagriti Jain	VII C	10
24	Masoom Parihar	VII C	10
25	Mayank Sablani	VII C	10
26	Muskan Kukreja	VII C	10
27	Neeraj Sundrani	VII C	10
28	Nikunj Rathi	VII C	10
29	Palak Hablani	VII D	10
30	Rajdeep Singh Chabra	VII D	10
31	Raunak Prakash	VII D	10
32	Sonakshi Lahiri	VII E	10
33	Sourabh Narwani	VII E	10
34	Sumeet Nagdev	VII E	10

No.	Name	Class	CGPA
35	Tanvi Sanghvi	VII E	10
36	Tanya Goindi	VII E	10
37	Yash Nenwani	VII E	10
38	Aniket Bose	VIII A	10
39	Anirudh Binani	VIII A	10
40	Ankita Vijay Rai	VIII A	10
41	Disha Jain	VIII B	10
42	Priyal Dewangan	VIII C	10
43	Priyanka Sundrani	VIII C	10
44	Raghav Rathi	VIII D	10
45	S. K. Raghavi	VIII D	10
46	Sankalp Sharma	VIII D	10
47	Trisha Kriplani	VIII E	10
48	Apoorv Saxena	IX A	9.6
49	Divyanshi Sengar	IX A	9.6
50	Jatin Begani	X	10
51	Priyanka Narwani	X	10
52	Rashmi Poya	X	10
53	Sakshi Sawai	X	10
54	Samyak Jain	X	10
55	Shreeya Gupta	X	10
56	Vinamra Bathwal	X	10
57	Faiz Ahmed [Comm]	XI B	95.54%
58	Trishla Jain [Bio]	XI D	78.55%
59	Neeraj Jain [Maths]	XI C	93.78%
60	Saurabh Anand [Comm]-Gold	XII	92.80%
61	Karan Kocher [Comm]-Silver	XII	91.40%
62	Rishabh Jhabak [Comm]-Bronze	XII	91%
63	Jayant Tandi [Bio]-Gold	XII	90.8
64	Ishaan Yadav [Bio]-Silver	XII	88.6
65	Osheen Gupta [Bio]-Bronze	XII	85.6
66	S K Aravind [Maths]-Gold	XII	93.6
67	Rao Yashovardhan Singh [Maths]-Silver	XII	89.8
68	K Karthikeyan Iyer [Maths]-Bronze	XII	87.8

Special Motivational Awards for Holy Hearts School Students Provisioned by the Management

FOR ACADEMICS

Students standing in "All India CBSE All Regions in Senior Secondary School Certificate Examination".

1. 1st in Merit - Rs. 1,11,101/- (Rs. One Lakh Eleven Thousand One Hundred One Only) + 10 grams Pure Gold Medal.
2. 2nd in Merit - Rs. 95,000/- (Rs. Ninety Five Thousand Only) + 25 Grams Silver Medal.
3. 3rd in Merit - Rs. 90,000/- (Rs. Ninety Thousand Only) + Bronze Medal.
4. 4th in Merit - Rs. 85,000/- (Rs. Eight Five Thousand Only)
5. 5th in Merit - Rs. 80,000/- (Rs. Eight Thousand Only)
6. State Merit upto 95% - Rs. 75,000/- (Rs. Seventy Five Thousand Only)

FOR SPORTS

- Winners at National Level - Cash Prize of Rs. 21,000/-
- Participants at National Level - Cash Prize of Rs. 7,000/-
- Winners at State Level - Cash Prize of Rs. 11,000/-
- Participants at State Level - Cash Prize of Rs. 5,000/-

BEST STUDENT OF THE YEAR CLASS XI & XII

BEST BOY

Cash Prize of 11,000/-
(Rs. Eleven Thousand Only)

BEST GIRL

Cash Prize of 11,000/-
(Rs. Eleven Thousand Only)

**Based on
AAA**
Academics
Attendance
Attitude

WINNERS OF SPECIAL MOTIVATIONAL AWARDS 2014-15

SPECIAL SPORTS AWARDS 14-15

No.	Name	Special Cash Prize	Achievement
1	Varun Tiwari	7000/-	National Level Lawn Tennis (13-14)
2	Animesh Dhangar	7000/-	National Level soft Ball tennis (14-15)
3	Saurav Bardhan	5000/-	State Level Football (14-15)

SPECIAL ACADEMIC AWARDS 14-15

No.	Name	Special Cash Prize	Achievement
1	Sai Samarth Phaye	21000/-	IIT Selection
2	Rao Aditya Vikram Singh	21000/-	IIT Selection
3	Ankita Chakravorty	11000/-	100% BIOLOGY
4	Khushboo Jeevan	11000/-	100% PHYSICAL EDUCATION
5	Neeraj Jain	5000/-	10 CGPA in Class X
6	Faiz Ahmed	5000/-	10 CGPA in Class X

Student Leadership 2015-16



School Cabinet

No.	Caninet	NAME	CLASS
1	HEAD BOY	Neeraj Jain	12C
2	HEAD GIRL	Nehal Baradia	12A
3	DEP. HEAD BOY	Syed Shadan	11B
4	DEP. HEAD GIRL	Shreeya Gupta	11D
5	DISCIPLINE HEAD BOY	Arist Kankariya	12B
6	DISCIPLINE HEAD GIRL	Abha Suntwal	12D
7	DEP. DISCIPLINE HEAD	Prashant Jain	11B
8	DEP. DISCIPLINE HEAD	Sangeeta Jadwani	11A
9	CULTURAL HEAD BOY	Raj Mehta	12C
10	CULTURAL HEAD GIRL	Rushauti Atre	12D
11	DEP CULTURAL HEAD BOY	Nikhil Dodani	11B
12	DEP. CULTURAL HEAD GIRL	Yashvi Pincha	11A
13	SPORT HEAD BOY	Animesh Dhangar	12C
14	SPORT HEAD GIRL	Ansit Kaur	12A
15	DEP. SPORT HEAD BOY	Meet Mandhan	11B
16	DEP. SPORT HEAD GIRL	Ayushi Jain	11D
17	EDUCATIONAL HEAD BOY	Faiz Ahmed	12B
18	EDUCATIONAL HEAD GIRL	Avni Sanghavi	12D
19	DEP. EDUCATIONAL HEAD BOY	Naman Pincha	11B
20	DEP. EDUCATIONAL HEAD GIRL	Rashmi Poya	11D
21	HOUSE CAPTAIN [M.T.H.]	Yash Jain	12B
22	DEP. HOUSE CAPTAIN [M.T.H.]	Harshita Sethiya	11A
23	HOUSE CAPTAIN [M.P.H.]	Ritika Baid	12A
24	DEP. HOUSE CAPTAIN [M.P.H.]	Sourabh Mayani	11B
25	HOUSE CAPTAIN [B.S.Z.H.]	Pratik Patel	12C
26	DEP. HOUSE CAPTAIN [B.S.Z.H.]	Tasmiya Qureshi	11D
27	HOUSE CAPTAIN [S.N.H.]	Mantript Kaur	12A
28	DEP. HOUSE CAPTAIN [S.N.H.]	Shreyansh Parghaniya	11B
29	PREFECT HEAD	Yogesh Harjani	12B
30	PREFECT HEAD	Sukhvinder Kaur	12A

Prefects

No.	NAME	CLASS
1	Harmeet Kaur	10B
2	Jeet Chawda	10B
3	Diksha Prakash	10A
4	Prachi Ramteke	10C
5	Sonam Patel	10D
6	Amrit Patnaik	10E
7	Mansi Jha	10E
8	Shubham Sahu	10E
9	Garvit Gupta	10C
10	Manikaran Singh	10C
11	Rajpreet Kaur	11A
12	Md. Tanveer	9A
13	Charvi Sharma	9A
14	Gaurav Deokar	9B
15	Dipti Dodani	9B
16	Ashutosh Panda	9C
17	Neha Santwal	9C
18	Vinayak Bajpai	9D
19	Simmi Verma	9D
20	Siddharth Patel	9E
21	Priyanka Sundrani	9B
22	Dhanesh Dharmani	10A
23	Shruti Garewal	11A
24	Harsh Gupta	10B
25	Muskan Ahuja	11A
26	Utkarsh Babaria	10E
27	Priyanka Narwani	1A
28	Tanmay Ramani	10E
29	Suyash Sahu	10E
30	Zigyasa Pandit	11A

...ज़रा सोचों

“ज़रा सोचो तुम्हें ये मानव भव क्यों मिला
 माँ बाप की बगियाँ में तू फूल बनकर क्यों खिला?
 कुछ तो मतलब होगा इस कीमती जिन्दगी का,
 वरना पशु बनकर भी चल सकता था ये सिलसिला’!!

Aditi Shukla
 Class II - A



बचपन

कितना निश्छल, कितना चंचल कितना प्यारा है से बचपन
 दादी, नानी और माँ की आँखों का तारा यह बचपन
 बच्चों को यह चांद और तारे सूरज बादल भरमाते है
 पूछो तरह-तरह की बातें यह सब कहाँ से आते है
 फूल पहाड़ नदी और झरने कैसे शोर मचाते है
 तोता, मैना चिड़िया कोयल कैसे गाना गाते है
 भोली-भाली बातों से यह सबका मन मोह लेते है
 अपना-पराया यह न जाने दिल में घर कर लेते है
 बचपन जीवन की प्रभात है मानव जीवन की नीव है
 कोरा कागज सा यह बचपन हर घर की तस्वीर है



Tabrik Fatima
 Class II - E

बेटी

घर की सब चहल-पहल है बेटी,
जैसे जीवन में खिला कमल है बेटी।
कभी सुहानी धूप गुनगुनी सी,
कभी चंदा सी शीतल है बेटी।।
शिक्षा, गुण संस्कार रोप दो,
फिर बेटों सी सबल है बेटी।
सहारा दो गर विश्वास का,
तो पावन गंगाजल है बेटी।।
प्रकृति के सद्गुण सींचो तो,
प्रकृति सी निश्छल है बेटी।
क्यों डरते हो पैदा करने से,
अरे आने वाला कल है बेटी।।



Anya Manhar
Class IV - A

मेरा प्यारा स्कूल

मेरा प्यारा स्कूल
छत्तीसगढ़ राज्य के मध्य,
खिला हुआ एक फूल।
नाम जिसका है,
होली हार्ट्स हायर सेकेण्डरी
इंग्लिश मीडियम स्कूल।
स्कूल नहीं यह देवालय है,
जग से प्यारा मेरा विद्यालय है
यहां के शिक्षक बड़े ही न्यारे,
अपने विषय में बड़े ही गुणवाले
पिरोए यहां मैंने अनेक सपने
मिले हैं यहां शिक्षक अपने।
माता-पिता का प्यार यहां
स्कूल नहीं ये घर हमारा
परीक्षा में सब खरे उतरते
अनुशासन से सब बंधे रहते।
कहीं न पाया ऐसा प्यार
तेरा मुझ पर ये आभार।



Gargi Verma
Class IV - B

Cleanliness

Cleanliness is one of the most important practices for a clean and healthy environment. It may be related to public hygiene or personal hygiene. It is essential for everyone to learn about cleanliness, hygiene, sanitation and the various diseases that are caused due to poor maintenance of hygienic conditions.

The habits which are learnt or followed at a young age get embedded into one's personality. One should start to follow certain habits like washing hands before meals, regular brushing of teeth, and bathing from the young age.

It is essential to follow certain good practices like keeping our surroundings clean, avoiding littering in public places, refraining from spitting on the road, and many more good habits.

Awareness of the Cleanliness and Personal Hygiene is the need of the hour in Pondicherry where the diseases like dengue fever, swine flu, malaria, chicken fox and jaundice are fast spreading. People should realize the importance of cleanliness and personal hygiene to prevent themselves from these diseases.

Akshaj Dewangan
Class IV - B



Our India

Bombay for Beauty	*	Delhi for Majesty
Madras for cooking	*	Calcutta for Looking
Kashmir for Scenery	*	Assam for Granary
Kerala for Dance	*	Mysore for Romance
Cochin for ships	*	Taj for Tips
Himachal for Pinas	*	M.P. for Mines
Bihar for Laloo	*	Rajasthan for Baloo
Punjab for fighting	*	Maharashtra for Writing
Bengal for fishes	*	Bangalore for Riches
Bhilai for Ispat	*	Cherapunji for Barsaat
Ooty for shooting	*	Gaya for Looting
Korba for Kosa	*	Tamil Nadu for Dosa
Chhattisgarh for Rice	*	Goa for Guys
Gujarat for Gandhi	*	Orissa for Andhi
This is what India is	*	A beautiful place to live in.

Nikhil Gour
Class IV-D

Maths Magic

152007×73	:	11111111
152207×146	:	22222222
152207×219	:	33333333
152207×292	:	44444444
152207×365	:	55555555
152207×438	:	66666666
152207×511	:	77777777
152207×584	:	88888888
152207×657	:	99999999



Riya Wadhvani
Class IV-D



Where Is The Time to Study?

Days in a year = 365 days

Sunday = 52 days (Sundays are meant for rest)

Days left = 313

Summer vacations = 60 days

(Weather is hot so it is difficult to study)

Days left = 253 days

Eight hours of daily sleep = 122 days (necessary)

Days left = 131 days

One hour daily for play = 15 days (it is good for health)

Days left = 86 days

Examination days in a year = 30 day

(Giving exams is necessary)

Days left = 56 days

Winter vacations = 25

(Weather is cold, so it is difficult to study)

Days left = 31 days

Other holidays = 20 days (these holidays are to enjoy)

Days left = 11 days

At least once a year = 8 days (because of illness, study is difficulty)

Days left = 3 days

Result days = 3 days (going and taking result is necessary)

Days left = 0 days

So tell me, where is the time to study?

Md. Shakir Jiya

Class IV - C

General Science Quiz

- What is the biggest planet in our solar system?
- What is the chemical symbol for the element oxygen?
- Another name for a tidal wave is a?
- True or false? Dogs are herbivores
- What is the 7th element on the periodic table of elements?
- What is the name of the long appendage that hangs from an elephants face?
- True or false? DNA is the shortened form of the term 'Deoxyribonucleic acid'?
- The highest mountain on earth is?
- What is the name of the closest star to the earth?
- True or False? Frogs are cold blooded animals.
- What is the name of the element with the chemical symbol 'He'?
- The fear of what animal is known as 'arachnophobia'?
- Pure water has a pH level of a around?
- The molten rock that comes from a volcano after it has erupted is known as what?
- True or False? Yogurt is produced by bacterial fermentation of milk.
- What is the name of the part of the human skeleton which protects our brain?
- Is the compound 'HCl' an acid or base?
- True or False? The fastest land animal in the world is the zebra.
- How many bones do sharks have in their bodies?
- What famous scientist was awarded the 1921 Nobel Prize in physics for his work on theoretical physics?

Gen. Science Quiz Ans.

- Jupiter
- O₂
- Tsunami
- False- they are omnivores
- Nitrogen
- A truck
- True
- Mount Everest
- The Sun
- True
- Helium
- Spiders
- 7
- Lava
- True
- The skull
- An acid (hydrochloric acid)
- False (it is the Cheetah)
- 0
- Albert Einstein

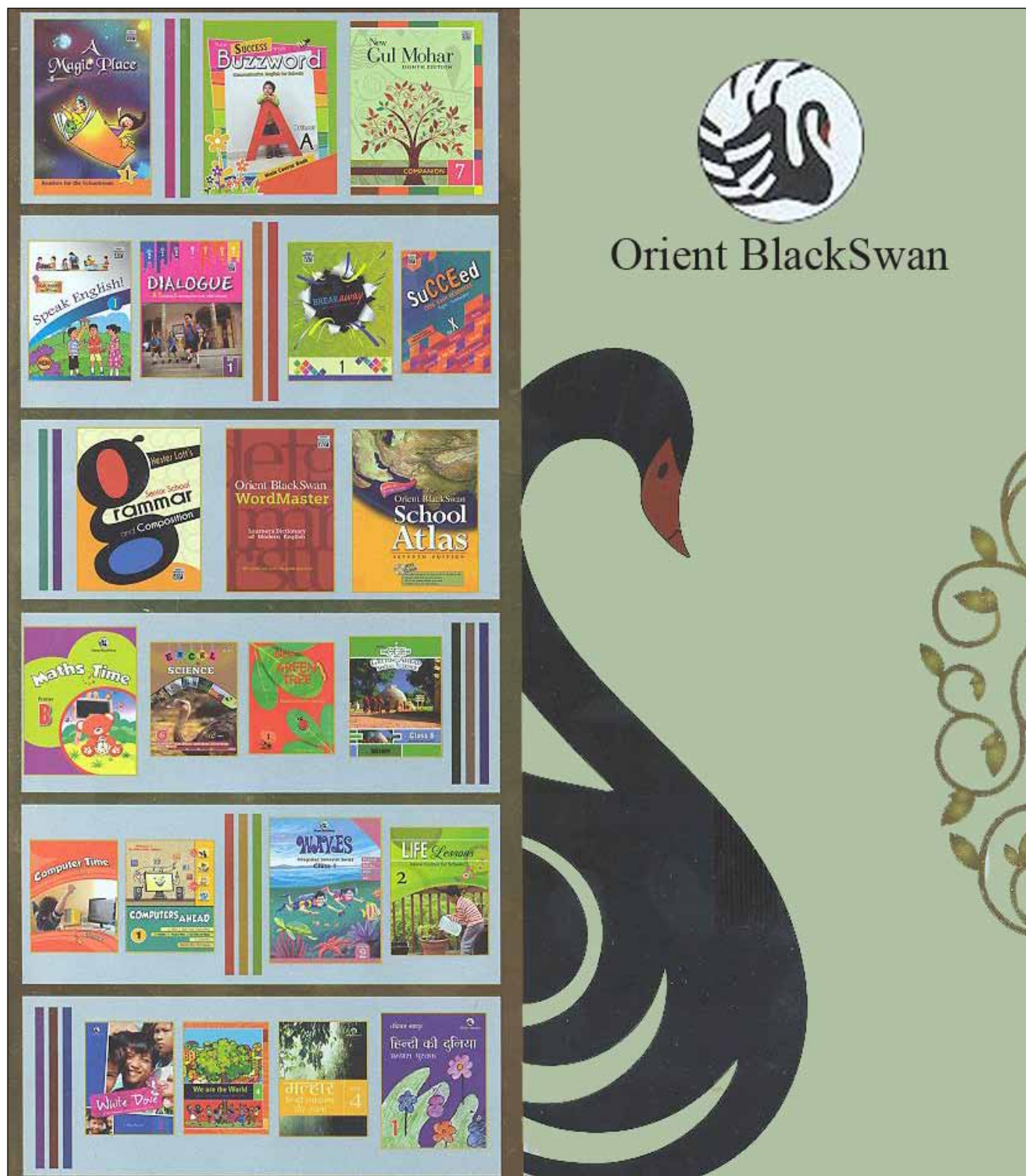


T. Jayesh Naidu
Class IV-E

Archives



With best compliments...



Catch the Right One



Apeksha Verma
Class V-A

Negative has 8 Letters
So does Positive....
Under has 5
So does above
Boy has 3 letters
So does joy....
Hate has 4 letters
So does Love....
Enemies has 7 letters
So Does friends....
Anger has 5 letters
So does Happy
Right has 5 letters
So does wrong.....
So choose the right ones and
give up the wrong ones!

Famous Quotes

If we cannot LOVE the person whom we see, how
can we LOVE god, whom we cannot see? -

-Mother Teresa

Do not dwell in the past; do not dream of the
future, concentrate the mind on the PRESENT
MOMENT.

-Buddha

In a day, when you don't come across any
PROBLEMS, you can be sure that you are travelling
in a wrong path.

-Swami Vivekananda

Always aim at complete harmony of THOUGHT
and word and deed. Always aim at purifying your
THOUGHTS and everything will be well

-Mahatma Gandhi



Siya Khare
Class V-E

मेरा विद्यालय

शिक्षा विभाग के सागर में,
रायपुर के गागर में, जो खिला कमल का फूल है,
वह होली हार्ट्स स्कूल है।

यह बड़े सवेरे खुलता है
पूजा के स्वर में चलता है
लगता जैसे देवालय है,
यह मेरा विद्यालय है।

लोगों के मन में मढ़ी हुई है,
बड़ी इमारत खड़ी हुई है,
क्या कोई पर्वत माला है,
यह मेरी सुन्दर शाला है।

अनुशासन, खेल, पढ़ाई में
इसकी शान छत्तीसगढ़ में
इससे इसकी ही समता है,
हम सबमें इसकी ममता है,
ज्ञान का औषधालय है
ये मेरा विद्यालय है।



Mishty Vidhani
Class V-C

My School Promise

Each day I'll do my best
And I won't do any less.
My work will always please me,
And I won't accept a mess.
I'll colour very carefully.
My writing will be neat.
And I will not be happy,
Till my papers are complete.
I'll always do my homework,
And try my best on every test.
I won't forget my promise,
To do my very best



Namrata
Motwani
Class V-C

Do one's Best?

A young man was learning archery from an accomplished master, but somehow he did not seem to be able to hit the target. His master asked him, "When is the arrow under your control?" the young man replied, "Till it leaves the bow." The master then asked him, "Once the arrow has left the bow, can you do anything about changing its direction?"

The young man replied, "No". Then the master said, "So if you do your best when you are actually preparing to let the arrow fly, you need not worry about the result. It will automatically be good. Remember, doing your best is the first step to success."



Sneha Paul
Class V-E

एकता के दीप बुझ रहे



Yashika Deora
Class V-E

एकता के दीप बुझ रहे
आंगन में अंधेरा है इन दिनों
हर सांझ है एक समस्या
कहां है बसेरा इन दिनों
कितने दीप जलाये
रोशनी के लिये
आंगन का बटवारा है इन दिनों
अब हिंसा ही धर्म बन रही
यही भाई-चारा है इन दिनों
देश शीशे का बन गया और
आदमी पत्थर हो गया है इन दिनों
किसको है चिन्ता अंधेरे की
चारों ओर अंधेरा ही अंधेरा है इन दिनों

Story – I pray to God Everyday

It was a cold winter night. Napoleon was returning from Russia, unable to defeat that big country. After a day of difficult retreat the whole army had camped near a village and everybody wrapped in as many blankets as they could get, and had gone to sleep. It was very cold and snow was falling everything was now white, quite and very cold. Napoleon called out to one of his officers together, they stepped out of the tents. Everything was dark. Everybody was asleep. But as they began to move to the other end of the camp they saw a tent with a light still Burning Napoleon turned to his officers and said "Go to the tent and see who is there and what is he doing" Minutes later his officer came back saying : 'Sir it is general Broust. He has just finished working and he is now praying. Napoleon said nothing. He went on watching over his tired, defected army. Next day Napoleon called the general 'My General' I am very pleased to hear you were working till late last night. I congratulate you. I hear that you were praying, too; 'Sir' replied the general, 'Sir' replied the general, it is true. If I have the strength to work so much it is due to my prayer. I can face the enemy. I can face difficulties and this cold. I can face death. There is only one thing. I cannot face, A day without prayer; Dear children, as food is necessary to keep the body healthy and strong, So prayer is needed to keep your soul good and pure. God, the almighty Lord, is our creator. We need his help all the time so we should pray not only in times of trouble and when we are sad, but also when we are happy. We must thank god for what we have in our daily pray.

Moral : Prayer is the Food of the Soul



Aarya Dubey
Class VI-D

Significance of 26th January

26th Jan 1530 – Babur died
 26th Jan 1539 – Humayun defeated Sher Shah
 26th Jan 1554 – Jahangir was born
 26th Jan 1730 – Delhi became the new capital of India
 26th Jan 1762 – War between Tipu Sultan and British started.
 26th Jan 1814 – Peace conference of east India Company was held at Calcutta
 26th Jan 1832 – British reached Kanpur
 26th Jan 1869 – Suez Canal was constructed
 26th Jan 1876 – First railway line started from Calcutta to Mumbai
 26th Jan 1881 – Telephone service started
 26th Jan 1903 – Peace treaty was signed between Cuba and America
 26th Jan 1931 – Gandhi ji was released from jail after civil disobedience
 26th Jan 1942 – Subhash Chandra Bose escaped from India
 26th Jan 1950 – Constitution of free India came to force
 26th Jan 1972 – Mrs. Indira Gandhi was awarded Bharat Ratna
 26th Jan 1981 – Mother Teresa was awarded Bharat Ratna



Abhigyaan Dave
Class V-B



Swastika Banerjee
Class VI-E

Save Girl Child

Girls Are so beautiful like someone you never seen,
 Just like Pearl, I mean
 They can Dance, they can sing,
 But they do not have a chance to do everything.
 Then also they are determined and say 'I Will!'
 But before they are born, they are killed.
 Is it so Right? That in Girl's World, there is no Light?
 So it's time to join Hands,
 And give the Girls a chance to show their Magic
 Wands.
 It's a serious Matter and time is not Left to Think,
 Or Everything will finish an Everything Will Sink
 Please Save Girl Child!!!



Thoughts

- A drop of water in lake, there is no identity, but if it's leaf of lotus, it shines like pearl. Be in the best place, where you can shine.
- Golden words of Success: See the clock when you have no work don't see clock when you are working.
- Never Blames a day in your life, Good day gives you happiness and bad day gives you experience, both are essential in "Life".
- Never design your character like Garden where anyone can walk, Design it like the sky where everyone aspire to reach. Aim high, Reach high.
- Motivational thought for life: If you have choice, then choose the Best. If you have no choice, then do the Best.



Md. Akshad Pochi
Class VI-A

Oh my Lord...

Oh my Lord...
You are so big and high
Deep as sea vast as sky
How can I reach?
How can I meet?
How can I travel?
With such little feet

But one thing I do
My prayers for you
Let everyone happy and
free
Make my planet as nice
As it should be



Saransh Shukla
Class VI-C

Thoughts for Life



Tanisha Mitra
Class VI-E

- Unless commitments is made, there are only hopes... but no plans
- It is always the same thing to be good citizen or a good man
- Never mistake knowledge for wisdom one helps you make a living, the other make a life
- We must become the change we want to see
- Kind words can be short and easy to speak, but their echoes are truly endless.
- To avoid criticism, do nothing, be nothing.
- Nearly all man can stand adversity but if you want to test a man's character, give him the power.
- If you do not hope, you will not find what is beyond your hopes.
- Success is the good fortune that comes from aspiration, desperation, perspiration and inspiration.
- One way to get the most out of life is to look upon it as an adventure.
- We must do things that we think we cannot do.
- Talent wins games, but teamwork and intelligence wins championship.
- Only one who devotes himself to a cause with his whole strength and soul can be true master.
- Keep in mind that neither success nor failure is ever final.
- Work is not man's punishment; it is his reward and his strength and his pleasure.

Oh Clock

Oh Clock! Oh Clock! You run very fast,
I am Aghast
Even I cannot take breakfast,
Because you run very fast.
When you run with your friend hours across,
I get so many losses, like going late,
My mom says to do fast, otherwise you will
be last.
Oh Clock, you run very fast!

Vipool Patle
Class VI-E

Nature

Nature is very beautiful,
Flowers and leaves are
colorful.
The storming waves of the
oceans,
Go in slow motion.
Green green trees,
Standing with peace.
The green grass, like
velvet,
Is precious to me than a

costly carpet.
Sweet tasty fruits,
Look very cute.
So save the trees,
And don't tease.
Catch the poachers,
Stop the smokers.
And have a nice future.

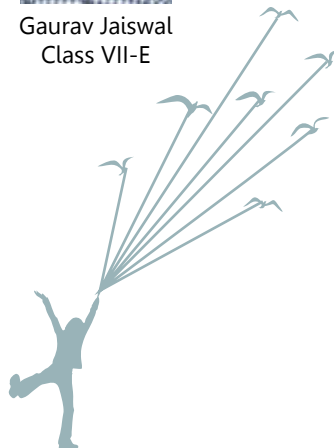
Harshal Arya
Class VII - B

काश मैं एक चिड़िया होता...

काश ! मैं एक चिड़िया होता ।
ताकि अपनी मीठी बोली से,
सबका मन बहला पाता,
काश! मैं एक चिड़िया होता ।
लोग मुझे खाना देते,
निहारते मेरी सुन्दरता को,
मैं चहकता यहाँ-वहाँ,
काश! मैं एक चिड़िया होता ।
लेकिन जब सोचता हूँ,
पिंजरे में बंद होने के बारे में,
या फिर गोली से मरने में,
मेरा दिल धड़कता जाता,
फिर मैं सब भूल जाता
सुबक-सुबक कर रोने लगता,
कि अगर मैं चिड़िया होता ।



Gaurav Jaiswal
Class VII-E



Rainbow

I raise my hand
To touch the sky
And feel the rainbow
Can you hold me in your arms?
It's high up
Oh no,
I still can't reach it
Will you get me a stool?
Not that one, it's too low
Yes, that's a good size
Let me climb up
Naah!
Maybe I could get a crane to lift me
or drop out of an airplane
All I can touch is this little butterfly
That just flew over my nose
Thank God, they make little rainbows!



Kaustubh Bajpai
Class VII-B

Global Warming



Global warming is the gradual increase of the earth's temperature as a result of the increase in greenhouse gases. This phenomenon started with the advent of the Industrial Revolution.

Since the Industrial Revolution, burning of fossil fuels has led to an increase in temperatures as the greenhouse gases trap more heat. Another major contributor to global warming is deforestation which increases the amount of carbon dioxide in the atmosphere. During the past century, the atmospheric temperature has risen by 0.6°C, and the sea level has risen by several inches. Scientists predict that global warming would lead to the melting of polar ice, with a resulting rise/resulting in a rise in sea level and coastal flooding. The very existence of islands like Antigua and Barbuda is being threatened. Other results would include disruption of drinking water supplies dependent on melting of snow, profound changes in agriculture due to climate change, and extinction of species / and more frequent tropical storms.

The solutions are fairly obvious. In order to reduce or eliminate global warming, we must take up reforestation projects on a war footing and there should be a gradual worldwide shift away from the use of fossil fuels. If this is not tackled on a war footing people in inland areas may soon be owners of beach properties.



Harshita Sethia
Class VII-B

Being healthy in life

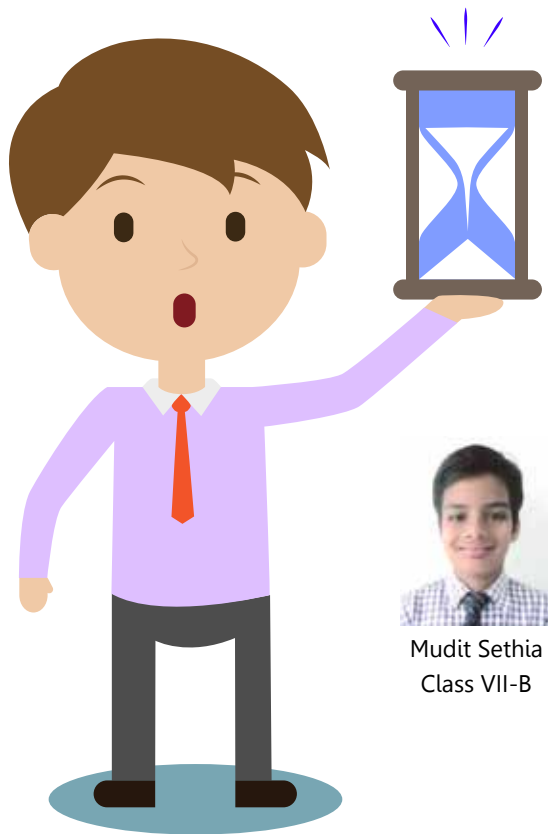
It is very necessary to be healthy in life. Nowadays it is must to be fit. If you want to be healthy just add some simple things in your life. Things you should add in your life are - go for a morning walk, yoga should be in your routine, should take healthy food, should be connected from sports and it is also important to sleep on time and wake up early in morning.

But this generation children have none of these qualities of being healthy. They have no habit of eating healthy food. But they only like to eat pizzas and burgers. These children don't play any outdoor games just watch television or play games in computer and mobiles or play video games. Forget about morning walk, they even cannot wake up early in morning. How can they wake up early and go for a morning walk? If they will sit late at night watching television, then how can they wake up early? So it is necessary to go to bed on time to wake up early in morning.

Here is an example of being healthy from starting in the form of a short story. There lived twin's brother Ravi and Raghav. From starting Raghav was healthy because of his seriousness about his health and Ravi was unhealthy because of his carelessness about his health. Yes, they were twins but the only difference of healthy and unhealthy made them different. As, the time passes they grew older. Then also the only difference was there. Ravi the unhealthy boy was always surrounded by diseases. Raghav was healthy. More time spends, they at the last stage of their life that means they were old now. At this age Ravi was bed ridden. But Raghav was fine.



Hrishita Jain
Class VII-B



Mudit Sethia
Class VII-B

Importance of time

Time is the most precious thing in life. To manage time is to manage life! You can't own time, but you can use it. You can't keep it, but you can spend it. Once you've lost it you can never get it back. A man who dares to waste one hour of his life has not discovered the value of life. Time is more valuable than money. You can get more money, but you cannot get more time. If we will lost our time we can't found it again. We say we waste time, but that is impossible. We waste ourselves. A minute is enough to win a victory. A second is enough to make you the richest man in the world. A fraction of a second can make a difference between life and death. Every movement bring with thousands of golden opportunities.

'Every time you smile at someone, it is an action of love, a gift to that person, a beautiful thing.'-Mother Teresa.

Colour Formation

Adding white to black we get grey,
 Everyday to god we should pray.
 Adding yellow to blue we get green,
 Our house should always be tidy and clean.
 Adding white to red we get pink,
 Morning and evening milk we must drink.
 Adding yellow to red we get orange,
 After buying something we should count the
 change.
 Adding blue to red we get purple,
 Mummy and papa make a lovely couple.

Rahul Chowdhury
 Class VII-D

God Is One

MANDIR में 6 अक्षर
 MASJID में 6 अक्षर
 CHURCH में 6 अक्षर
 धर्मशास्त्र में 5 अक्षर
 GEETA में 5 अक्षर
 QURAN में 5 अक्षर
 BIBLE में 5 अक्षर
 $6-5 = 1$
 GOD IS ONE



Rounak Golchha
 Class VII-D

A Boy Who Never Tells A Lie

Once there was a little boy,
 With curly hair and pleasant eye-
 A boy who always told the truth,
 And never, never told a lie.
 And when he trotted off to school,
 The children all about would cry,
 There goes the curly-headed boy—
 The boy that never tells a lie.”
 And everybody loved him so,
 Because he always told the truth told the truth,
 That every day, as he grew up,
 What it is said, “There goes the honest youth.”
 And when the people that stood near
 Would turn to ask the reason why,
 The answer would be always this:
 “Because he never tells a lie.”



Soumya Gupta
 Class VII-E

हर पल हर घड़ी
 जो सही राह दिखाते हैं।
 पूजा से पहले उनके लिए,
 हम अपना शीश झुकाते हैं।
 कहीं भी रहें कुछ भी बनें हम,
 अलग-अलग रास्ते जाएंगे।
 पर आपके दिये ज्ञान के लिए
 हम आपको भूल न पाएंगे।
 सागर के थपेड़ों में,
 नाव कहीं बह जाए ना।
 आभार हमेशा उनका है,
 जिन्होंने संभलना सिखाया है।



Sarthak Shrivastava
 Class VII-D

समय बड़ा बलवान

समय इंसान का सबसे बड़ा धन है, मगर समय है तो उसके पास सब कुछ है और अगर सब कुछ है और समय नहीं है तो कुछ भी नहीं है। इसलिए हमें अपना समय बहुत सोच समझकर निवेश करना चाहिए।

जिस भी व्यक्ति ने समय का मूल्य समझा है उसने जीवन में बहुत बड़े-बड़े काम किये हैं। जो समय के साथ चलता है वो हमेशा जीवन में सफल होता है जो समय के साथ नहीं चलता है उसको समय पीछे छोड़ देता है। जैसे धीरूभाई अंबानी, रतन टाटा, सुनील मित्तल आदि। ये ऐसे लोग हैं जिन्होंने किसी कि परवाह न करते हुए बस समय को ध्यान में रखकर अपना लक्ष्य केंद्रित किया और आज दुनिया में लोग उन्हें नाम से जानते हैं। खेल कि दुनिया में भी समय बहुत मायने रखता है, एक सेकंड में जीत या हार हो जाती है। इसलिए सभी कहते हैं कि पैसा खर्च हो गया तो फिर से कमा सकते हैं। लेकिन समय एक बार चला गया तो फिर वापस नहीं आता है।

Anshak Jharbade
Class VIII-A

Pretending

It's fun to be this,
It's fun to be that,
To leap like a lamp,
To Climp like a cat,
To Swim like a fish,
To hop like a frog,
To trot like a horse,
To jump like a dog.
It's fun to pretend
These creatures to be
Yet not one is clever.
At copying me.

Anup Randrive
Class VIII-A

Facebook and Whatsapp

Facebook and Whatsapp are very popular in our environment. Youngsters like us are very busy in these types of sites and forgotten to enjoy their childhood. Some schools were trying to save their childhood by them right education. But in some ways they are useful we can contact our families and friends in entire earth without any greater expenses. With this way we can think so it is an advantage.

But without this it is a greater loss of students. These sites have maintained a proper security check that human is proper for that site.

I am not saying that children have not right to enjoy but by a proper age and guidance.

Aayush Singh
Class VIII-C



In Danger!

For the ninth consecutive year the majestic Siberian cranes-one of the most endangered birds in the world, have skipped India this winter. Experts fear that the Siberian cranes are unlikely to ever come to the Bharatpur region of Rajasthan again. They seem to have changed their centuries-old migratory route that was from Siberia to India. Usually, the Siberian cranes would start flying towards India in mid-October and stay here till March or April. At its peak, in 1965, Bharatpur hosted over 200 hundred Siberian cranes. Less than thirty years later in 1993 only five were sighted there. The last Siberian crane was spotted in India way back in 2001.

Deepanshu Namdeo
Class VIII-B

Cleanliness Drive

There is the very popular Quote – Cleanliness is next to godliness. But do we all really adhere to it? Let's have a reality check. India is one of the dirtiest countries of the world.

We cannot blame the government for this record. Until one initiates, without pointing fingers on others we cannot blame the other people after all, even we are the citizens of our country, it is our responsibility to keep it clean.

Keeping clean is indeed very important as it resists many diseases and ailments that take birth in different localities. So, do your bit, keep country clean and take pride in your work.

Gagandeep Kaur
Class VIII-A

Necessity of washing our hands Properly

Our hands carry millions of germs, which cause cold, flu and diarrhea. If we do not wash our hands effectively, these germs can infect us when we touch our eyes, nose, mouth or through cuts on our body. What is worse is that we can transmit these germs to those around us and make them susceptible to illness. We can also pick up germs from objects and shared surfaces such as doors and door handles, stair railings or any surface our hands may come into contact with which other people also touched! Even through the germ, threat is everywhere you need not fear germs because there is a method that removes them and that method is hand washing. The habit of washing hands with soap and water at moments like before and after eating food and after visiting toilets can reduce diarrheal deaths in children by 47%. Effective hand washing happens when you combine your hands with soap and water. The use of soap is very important to remove germs that get on your hands.

Lipka Singh Chouhan
Class VIII-C

Good Study Habits.. Study Everyday...

- Create a quiet place at home to study.
- Turn off T.V, and other devices that may disturb you when studying.
- Listen to soft music.
- Study in a way that suits your style.
- Take regular breaks, like 5 minutes every half an hour.
- Study early (don't wait until the last minute).
- Study the hardest thing first and then move on to easier one.
- Spend the most time on things that you find most difficult.
- Ask for help if you are struggling with something.
- Take notes as you study, using your own words to simplify complex concepts.
- Organize your notes in a notebook or folder.
- Look at your notes on a regular basis.
- Remind yourself about what you just studied.
- Give yourself a pat on the back after a good study session.

Harsha Mayani
Class VIII-B

The Paper Plague

Before humans discovered paper, they recorded their history by etching on tablets, rocks and leaves or by painting on cloth. In many ancient civilizations, particularly in India, things were committed to memory and then passed on to younger generations through telling and retelling, hence the importance of the oral tradition. The discovery of paper made recording of facts, storing of information, posting of one's creative ideas or sending messages much simpler. Soon paper came to be used in many spheres of life and one of the most essential commodities today. As we see now many companies turn towards paperless work, imagine what would happen if paper suddenly disappeared from this world!

Prateek Sankhala
Class XI-B

स्वच्छ भारत “सपना या सच”

जब हम टीवी चैनल या न्यूज चैनल में, विदेशों की साफ-सुथरी और स्वच्छ सड़कों को देखते हैं, सोचते हैं कि काश! हमारा देश, हमारा शहर, वो गली साफ-सुथरी रहे जहां हम रहते हैं, पर क्या ये संभव है....? शायद हां.... ! यदि हर व्यक्ति ये सोच ले कि हमें गंदगी नहीं चाहिए तो शायद हम भी एक साफ-सुथरी जगह में निवास कर सकते हैं.... पर नहीं! हम तो बस अपना घर, अपना दरवाजा ही साफ रखते हैं। बाकी जगह अपने आस-पास की कैसी है इससे मतलब नहीं, तभी तो आज जिस तरफ देखो, गंदगी कचरे का ढेर, मच्छर, मक्खी का ही साम्राज्य मिलता है।

इस सबसे छुटकारा पाने के लिए यदि हर भारतीय सोच ले कि अपना घर, अपना दरवाजा, अपना शहर, अपना देश, स्वच्छ व साफ-सुथरा रहे तो शायद टीवी चैनल्स में देखकर दूसरे देश के लोग ये कहें कि “भारत” कितना स्वच्छ देश है, पर ये सपना कभी सच होगा भी की नहीं.... शायद!

Mohak Gupta
Class VIII-E

With
best compliments



macmillan
education
India

प्यारे बच्चे

हम बूंदे ओस की, कोई छूए तो बिखर जाए।
हम कोमल फूल है पौधों के, कोई तोड़े तो टूट जाए।।
हम कली है कुसुम की, जल मिले तो खिल जाए।
हम रोशनी है सूरज की, दिन होने पर ही आए।।
हम बहता जल है सागर का, रोकने पर भी रुक न पाए।
हम मिराज है रेगिस्तान के, हर प्यासे को दिख जाए।।
हम रूप है ईश्वर का, लेकर जन्म धरती पर है आए।
सदा हंसते मुस्कुराते रहें हम, ईश्वर का यह संदेश है लाए।।

Pallavi Pariha & Palak Vidhani
Class VIII-D

Sometimes

Sometimes we
need to stop
analyzing the past-stop planning
the future-stop trying to
figure out precisely how we feel-stop
deciding with our mind
what we want our heart to feel-sometimes
we just have to go with.....
“Whatever happens-happens”

Kanishka Parakh
Class VIII-C

Friendship

Do you know what friendship is? Friendship is a special bond of 'love and trust'. We should never see whether our friend is rich or poor because friendship is not based on richness or poverty or on religion.
Humanity
Never give pain, even if you gain.
Never tell a lie, even if you have to die.
Never make a noise, even if you have a choice
make your day bright, never ever fight.

Pratham Surana
Class VIII-A

PM Modi's speech at Madison Square

The Prime Minister of World's greatest democracy Mr. Narendra Modi gave a speech at Madison Square, New York on 28 September. Almost all the Indians of New York came to listen our Prime Minister's speech. About 20,000 people were sitting in World's Most-Famous Arena to watch and hear Modi. The Wall Street Journal was blogged due to Modi's speech. He gave a speech of about 70 minutes. Modi was the second Indian to perform in the Madison Square. Before him, Pandit Ravi Shankar had performed at Madison Square and the money was given to UNICEF. He said that our ancestors played with snakes and we play with mouse. He said, "Mahatma Gandhi made us proud to do anything that if I am cleaning the roads, I am cleaning it for the welfare of my country. If I am giving food to the poor, I am doing this for the welfare of my country. He turned the freedom struggle into a mass". He said that the Indo-Americans made us popular in the whole world. America is the Oldest Democracy in the world and India is the biggest, so there is a great bonding or relationship between India and America. He also said that India has completed the Mars project in so less amount that anyone can't afford a plane, India spent Rs7 per km in 65 crore km journey to Mars. "Although Indo-Americans do not get chance to vote but they were sitting in front of television the day voting results were declared, so is their love for India. He also said that all should believe the NDA government; they will try to fulfil their every need. These were the main points of Modi's speech. And the Pakistani media was saying that Modi had a successful visit at America and India is Modi-fied.

Priyanshu Kumar
Class VIII-D

हिम्मतवाला

साहस के अँधेरों में रहता है वो व्यक्ति,
नाम है उसका सिपाही,
है उसके पास ढेरों शक्ति,
दुश्मनों के सामने डट कर खड़ा रहने वाला
देश का है वो हिम्मतवाला।
देश का है वो हिम्मतवाला।
गोलियों का सामना हिम्मत से करता
कठिनाईयों से वह ना है डरता,
है वह राजा जैसे शेर,
सीना तान के खड़े रहने वाला,
सीमा का है वह रखवाला।
देश का है वो हिम्मतवाला।

Priyanshu Majumdar
Class VIII-D



मेरी माँ

मेरी माँ बहुत प्यारी है। वह मुझे भी बहुत प्यार करती है। वह रोज सुबह सबसे पहले उठ जाती है। सब लोगों का ध्यान मेरी माँ ही रखती है, वह मेरी दादी का भी पूरा ध्यान रखती है, घर के सब लोगों की परवाह करती है, मैं अपनी माँ का छुट्टी के दिन हाथ बटाती हूँ। मैं अपनी माँ की सब बातें सुनती हूँ। मैं जब कोई गलती करती हूँ तो मेरी माँ डाटती भी है, फिर बाद में प्यार से समझाती भी है। मेरी माँ सबसे अच्छी दोस्त। उनके साथ बातें कर मैं अपने सारे दुःख भूल जाती हूँ। वह मुझे और मेरे भाई को अच्छी बातें बताती हैं। मैं अपनी माँ से बहुत प्यार करती हूँ। और भगवान जी को धन्यवाद करती हूँ की उन्होंने मुझे दुनिया की सबसे अच्छी माँ दी।

सत्य ही कहा गया है :

जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी
अर्थात् माता और मातृभूमि स्वर्ग से भी महान हैं।

Sanyukta Vankhede
Class VII

इनका बचपन इन्हें लौटा दो !

नौ वर्ष की लक्ष्मी मेरी तरह रोज सुबह 6 बजे उठती है... जल्दी-जल्दी उठकर तैयार होती है और घर से निकल जाती है... लेकिन वो मेरी तरह स्कूल ड्रेस नहीं पहनती और ना स्कूल बैग टांगती है..... तो फिर कहाँ जाती है लक्ष्मी हर रोज.....???? वो क्यों नहीं हमारी तरह पार्क में खेलने आती.... वो क्यों नहीं हमारी तरह ट्यूशन पढ़ने जाती। मेरी मम्मी बताती है वो बाल मजदूर है...। बाल मजदूर मतलब वो बच्चे जिसकी उम्र 14 साल से कम है और वो काम करता है। मम्मी बताती है लक्ष्मी अपनी मम्मी की तरह दूसरे घर पर झाड़ू-पोछा करती है...क्योंकि उसके पापा नहीं है। खैर लक्ष्मी तो मजदूरी के लिए मजबूर है.... लेकिन लक्ष्मी तो मरजी से काम पर जाती है... लेकिन लक्ष्मी से बदनसीब तो वो बच्चे हैं.... जिनसे जबरदस्ती काम कराया जाता है। ...जिनका बचपन गुलामी की जंजीर में जकड़ा है... जिनकी ना तो कभी कलम से दोस्ती हुई और ना ही किताबों से यारी... वो तो बस हुक्म के गुलाम बनकर अपने बचपन को मुरझाता हुए बेबस देख रहे हैं। जानते हैं आज दुनिया भर में करीब 22 करोड़ ऐसे बेबस बच्चे हैं जिनकी उम्र 14 वर्ष से कम है और इन बच्चों का वक्त स्कूल में कॉपी-किताबों और दोस्तों के बीच नहीं बल्कि होटलों, घरों, उद्योगों में बर्तनों, झाड़ू-पोछे और औजारों के बीच बीतता है। भारत में यह स्थिति बहुत ही भयावह हो चली है। दुनिया में सबसे ज्यादा बाल मजदूर भारत में ही हैं। 1991 की जनगणना के हिसाब से बाल मजदूरों का आंकड़ा करीब एक करोड़ 20 लाख था। 2001 में यह आंकड़ा बढ़कर डेढ़ करोड़ पहुंच गया। छत्तीसगढ़ में भी करीब एक लाख से ज्यादा बाल मजदूर हैं... जिन्होंने स्कूल की बिल्डिंग्स तो देखी है... लेकिन आज तक ना तो स्कूल की चाहरदिवारी के अंदर गये और ना ही किताबों को छुआ है। पूरे देश की बात करें तो देश में सबसे ज्यादा नौ लाख बाल मजदूर उत्तरप्रदेश में हैं और उसके बाद महाराष्ट्र का नंबर आता है.... जहां करीब पांच लाख बाल मजदूर हैं। सरकारी फाइलों के मुताबिक उत्तरप्रदेश राजस्थान और मध्यप्रदेश में

ज्यादातर बाल मजदूर ग्रामीण इलाकों में काम करते हैं...।

अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के अनुसार, देश में 68 लाख लड़के और 58 लाख लड़कियां बाल मजदूरी की जाल में फंसी हुई हैं...। सबसे ज्यादा बच्चों से मजदूरी कृषि से जुड़े मामलों में कराई जाती है... जबकि उसके बाद घरेलू बाल मजदूर हैं, जिनसे घर में काम कराया जाता है। वहीं उसके बाद कपड़ा उद्योग, कालीन उद्योग, बीड़ी उद्योग तथा चुड़ी उद्योग में सर्वाधिक संख्या में बाल मजदूरी कराई जाती है...। पैसों के लिए दूसरों के हुक्म के गुलाम बनने वाले बच्चों के एक तो मजदूरी बड़ों से आधी दी जाती है.... और उस पर उनसे खतरनाक काम करवाकर उनकी सेहत भी खराब कर दी जाती है... सबसे ज्यादा बीमार बच्चे खेतों में काम करने वाले होते हैं... जो रासायनिक खाद और कीटनाशकों की वजह से बीमार पड़ते हैं... जिनमें से कई तो कैंसर से भी पीड़ित हो जाते हैं। बारुद फैक्ट्री और कांच के सामान बनाने वाली फैक्ट्रियों में काम करने वाले बच्चों के भी फेफड़ों में खराबी आ जाती है... उन्हें दमा और टीबी हो जाता है। केंद्र और राज्य सरकार ने बच्चों से मजदूरी कराने को अपराध माना है... मजदूरी कराने वालों के लिए सजा का प्रावधान रखा है, बावजूद बच्चों को मजदूर बनाया जा रहा है... उनसे उनके जिंदादिली से जीने का हक छिना जा रहा है। हमारे आस-पड़ोस में बाल श्रम कानून की धजियां उड़ती है। पड़ोस के लखन काका मिठाई दुकान से लेकर... पड़ोसी शर्मा आंटी के घर पर छोटे-छोटे बच्चे काम करते हैं। हमसब को मिलकर उसे रोकना होगा.... लखन काका के दुकान पर काम करने वाले गोलू और शर्मा आंटी के घर पर काम करने वाली रीना को उनका बचपन लौटाना होगा। बाल मजदूरी के खिलाफ हम बच्चों को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी और बाल मजदूरी अभियान के खिलाफ खड़ा होना होगा।

Priyanshu Kumar

Class VIII-D



Adventures with book

BOOKS TRASPORT USTO FAR OFF LANDS AND PROVIDE
US WITH VARIED EXPERIENCES.THEY TAKE US ON
FLIGHTS OF FANCY SO THAT WE CAN IMAGINE THINGS
BOTH WONDERFUL AND STRANGE.

BOOKS ARE SHIPS,
THAT SAIL THE SEAS
TO LAND OF SNOW
OR JUNGLE TREES.
AND I'M THE CAPTAIN BOLD AND FREE
WHO WILL DECIDE WHICH PLACE WE'LL SEE,
COME,LET US SAIL THE MAGIC SHIP.

BOOKS ARE TRAIN
IN MANY LANDS
CROSSING HILLS
OR DESERT SANDS.
AND I'M THE ENGINEER WHO GUIDES
THE TRAIN ON ITS EXCITING RIDES
COME LET US RIDE THE MAGIC TRAIN.

BOOKS ARE ZOO'S
THAT MAKE A HOME
FOR BIRDS AND BEASTS
NOT FREE TO ROAM.
AND I'M THE KEEPER OF THE ZOO,
I CHOOSE THE THINGS TO SHOW TO YOU
COME,LET US VISIT IN A ZOO.

BOOKS ARE GARDENS,
FAIRIES,ELVES,
COEBOY AND PEOPLE
LIKE OURSELVES
AND I CAN FIND WITH ONE GOOD LOOK
JUST WHAT I WANT,INSIDE A BOOK.
COME,LET US READ
FOR READING'S FUN!



Prateek Sankhla
Class XI-B

16 years in my School

Holy Hearts as the name suggests it means pure hearts. This name is completely justified as the founder of this school, the well experienced friendly teachers and all my fellow students studying here had proven it many times.

All the credits goes to our respected late Mrs. Amita Singh Mam, if she wouldn't have been there, then it would not have been possible for this school to reach to the heights where it belongs. Our respected Mr. S.P. Singh Sir and Singh Mam started this school with a few students but now the name of this school is taken in best 10 schools of Raipur.

I still remember the first day of my school. I was crying a lot but then Mrs. Singh Mam came to me, made me sit on her lap and stopped me from crying. From that day my respect for her kept on increasing.

All the teachers who taught me have treated me and every student or their own children. They made us learn various valuable things, they scolded us when needed but most of all they gave us the unconditional love.

I have heard somewhere that a school is our second home and yes it is studying in this school is a blessing to me that straight away came from the god.

I had spent my 15 years of life in this school. If gave me memories that I would cherish for a lifetime. I will never forget my teachers. The friends I got here would surely be there in my life forever.

I had not only studied and got educated here but I had learned how to live a mannered and peaceful life. They teach us to respect our parents and elders. Singh Sir taught us so many lessons through his speeches. I would never forget the way he used to start his speech by saying "MERE PYARE BACCHO". This line always brought a smile on each and every student.

Some years back Singh Mam said this line- "These are the students who will enlighten the name of this school to me and my friends. Hearing this from a person like her was a dream.

Studying in Holy Hearts educational Academy is an honour. This school taught me so much that I won't ever forget. In future when I will become someone, when I will an identity of my own I would definitely do something for this schools. I'm sure it would be nothing in comparison what this school gave me but it would be my tribute to Holy Hearts.

I wish everyone studying here get great achievements in Life and this school Keep on making futures and always be the way it is that is "Amazing"

Jagdeep Singh Hora
Class XII
(2014-15)

Save earth

Earth is our life,
We are killing it with knife.
Our natural resources are lost,
Our earth is going to be exhausted.
Earth is like a ball,
From which we are playing football.
We are throwing garbage here & there,
Who will take earth's care?
Slow down the use of soap,
Then we can get some hope.
Don't use plastic bags,
For green earth, we should use cotton bags.

Shourya Prasad
Class VIII-E



A Mother...

A mother is more than just a woman
A mother is more than just a wife
A mother has brought to this world a new born
A mother has brought to this world life.
A mother knows when you are worried
A mother knows when you are joked
A mother knows when you are sorry
A mother knows just what's inside.
A mother needs your love forever
A mother needs to see your smile
There's no better gift for mama
Than her very awesome little child.

Fun Time

Why does a student fail?
It is not only the fault of the student if he fails, because the year has only 365 days in the typical academic.



1. Sundays-52 in a year. We know Sunday for rest.
DAYS LEFT 313
2. Summer holidays-28, when weather is so hot that it is difficult to study
DAYS LEFT 285
3. Puja holidays-69 when the time is to enjoy and have fun with friends and relatives, so it's impossible to concentrate on studies.
DAYS LEFT 216
4. Only 8 hrs daily sleep means 75 days of a year.
DAYS LEFT 141
5. 1 hr for daily playing means 15 days of a year
DAYS LEFT 126
6. 2 hrs daily for food and other delicious means 30 days of a year.

DAYS LEFT 96

7. 1 hr for talking means 15 days of a year.
DAYS LEFT 81
8. Exam days per year at least 35 days
DAYS LEFT 46
9. Quarterly, half yearly and festival (holidays) almost 40 days
DAYS LEFT 6
10. For sickness at least 3 days.
DAYS LEFT 3
11. Movies and functions at least 2 days.
1 DAY LEFT
12. That one day is his/her b'day.
HOW CAN HE/SHE STUDY ON THAT DAY
ULTIMATELY BALANCE IS 0
SO, HOW CAN A STUDENT PASS

Vineet Jain
Class VIII-A

Childhood

Childhood days are full of joys,
 Full of games and full of toys.
 Childhood is the gift of god,
 It's the heaven against all odd.

Childhood is the name of happiness,
 A phase of life that has no sadness.
 Sometimes I feel never to grow,
 Childhood should last forever I know.

Sonakshi Lahiri
 Class VII-E



My school

My school is to be acknowledged
 Here I gain a lot of knowledge
 I have some good as well as sad memories
 Some very sour and some of special ceremonies
 Sometimes its great to have fun
 But at times its better to run
 I've got the chance to improve my intellectual skill
 But for me it was as tough as climbing a hill
 I was very happy that the event went successfully
 And I was listening to the comments cheerfully
 I feel very lucky and happy to be a part of this institution
 For I know my school has no substitution.

Bhaves Matlani
 Class IX-D



Walking down the dreams

She walks alone in the dark,
 As she looks back there are sparks.
 She can hear the whispers, the steps, the jumps,
 She can hear the quickness just like darts.
 She walks at a pace not too fast,
 She hears the whispers that make her gasps.
 She runs as fast as she can,
 Until she hears the steps again.
 A hollow voice hard and cold,
 She wants to run but its too bold.
 So she walks in the way until she finds,
 The sound was the wind.
 Which leaves her breathing with a shattered mind...
 Then she stepped ahead till the dawn
 And open her eyes in a fairy lawn.

Charvy Sharma
 Class IX-D

Moments

The moment you are in a tension.
 You will lose your attention.
 Then you are total in confusion.
 And you feel irritation.
 This may spoil your personal relation.
 Ultimately, you won't get co- operation.
 And things get into complication.
 Then you will have to take precaution.
 But atleast try to think about solution.
 Many problems are solved by discussion.
 Which will work out better in your profession.
 Don't think this is just suggestion.
 It is only for prevention.
 If you understand my intention.

Harsha Panjwani
 Class IX-B



DISCOVER THE WORLD OF GOYAL BOOKS & FIND YOUR COMPANION IN EDUCATION

Please contact us for your queries at :

GOYAL BROTHERS PRAKASHAN

Educational Publishers

Sales & Registered Office :

11/1903, Chuna Mandi, Paharganj, New Delhi-110 055,
Phone: 23582812 / 23584658

Administrative Office :

D-231, Sector - 63, Noida-201 301 (U.P.)
Phone: 0120 - 3830000 Fax: 0120 - 3830001

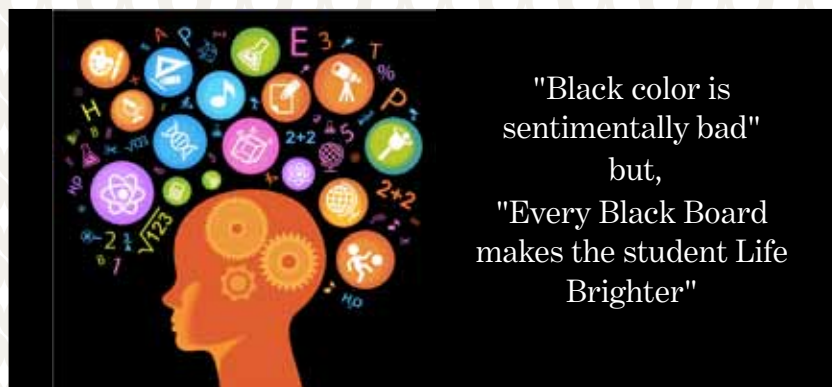
Our Locations:

AHMEDABAD : BL-Y, Shop No., Dev Castle, Opp. Radhe Krishna Complex, Jay Mala Society Road, (Opp. St. Mary's School), Govindwadi, Isanpur, Maninagar, Ahmedabad-383 443, Mob : 09925004030
HYDERABAD : F-7/8/41, First Floor, Agarwal Chambers, 5-9-1121, King Kothi Road, Hyderabad – 500 001, Tele-Fax : 23211332
KOLKATA : No. 203, 2nd Floor, Fomra Towers, 84A, A.J.C. Bose Road, Kolkata – 700 014. Ph. No. 033-22262683
GUWAHATI : Bishop Plaza, Col. J. Ali Road, Lakhtokia, Guwahati – 781 001 (ASSAM). Ph. No. 0361 – 2735337
CHENNAI : No. 51 (New) 87 (Old), East Cit Nagar, 5th Main Road, Nandanam, Chennai – 600 035 (T.N.), Ph. No.: 24322767
KOCHI : Chelliyanthara House, Maplassery Road, Vyttila P.O. Kochi – 682 019 (Kerala), Phone : 0484-2305288
LUCKNOW : B- 318, Sector B, Mahanagar, Opp. PAC Main Gate, Lucknow – 226 006 (U.P.), Ph. No.: 0522-2320841
BANGALURU : No. 1681/5/4, Ground Floor, 3rd Main, Ramamohanapuram, Bangaluru – 560 021 (KAR.), Ph. No.: 080 - 23320655
PATNA : Ravi Kiran Apartment, Flat No. 2A (2nd Floor), Near Water Pumping Station, Pani Tanki Lane, Pirmohani, Distt. Patna – 800003 (Bihar)
BHOPAL : Plot No. – 203, Zone – II, M.P.Nagar, Bhopal – 462 011 (M.P.), Telefax No. 0755 – 4271371

With best compliments



GWALIA SWEETS & NAMKEEN



"Black color is sentimentally bad"
but,
"Every Black Board makes the student Life Brighter"

SWEETS ! OUTDOOR CATERING ! NAMKEENS

0771 – 4004223 / 8236830501

MAZEDAR SWAD SADA RAHE YAAD

The Wonder Girl - Malala



Aishwarya
Anand
Class IX-A

Girl's Education is very important in the World but in countries like Pakistan, Afghanistan and Iraq where girls are usually not sent to the schools by their family members. It is very bad custom to keep the girls at home by snatching away all their independence. From such a country like Pakistan, a girl came out, who protested against this custom. She wanted to go to the school. She also wanted to get education but just for her this desperate want, Taliban terrorist (a terrorist group active in Pakistan) shot her while returning from the school. Just after 9 months of this incident, she attended a "Youth Assembly" in New York where she gave a strong speech against the Taliban and laid emphasis on Girl's education. She said that nothing could fear her-not even their guns. For this great deed, Malala Yusufjaji-the wonder girl won the "Nobel Peace Prize" in 2014. She has become

the youngest one to receive the Nobel Prize-that too a girl. People should learn from Malala that if a girl is provided compulsory education, then no one can stop her from achieving success. From the very ancient times, people think that it is quite useless to provide education to girls as later on, they have to be married only. Why do the people think that the girls cannot do a job? She is much stronger than a man. When she can manage a whole family, then why cannot a simple job? The government took several steps to provide free and compulsory education to all the girls. But this initiative is incomplete without the contribution of parents. The parents should treat their daughters like their sons and provide all the facilities to them too because "when you educate a man you educate an individual; when you educate a woman, you educate a whole family".

Teenage

We learn from our mistakes
From the wrong turns we take
From the fake friends we make
And from the times we almost break

Our mistakes help us grow
But at the time, we didn't know
We didn't want our weakness to show
At the time we couldn't let them know

Our fake friends were there
But they didn't actually care
Our secrets, they would share
And now as we pass, they just stare



Not breaking means you're strong
You'd know where you went wrong
As if you weren't waiting so long
To explain yourself, but stay strong

So here's to the liars and traders
All the wannabes and haters
And learning from our mistakes
And learning to spot the fakes

Here's to being a teen
Live it up, because we are living the dream.

Priyal Dewangan
Class IX-C

जिनके ओजस्वी वचनों से

जिनके ओजस्वी वचनों से, गूँज उठा था विश्व गगन।
वही प्रेरणा पूंज हमारे, स्वामी पूज्य विवेकानंद।।
जिनके माथे गुरु कृपा थी, दैविक गुण आलोक भरा
अद्भुत प्रजा प्रकटी जग में, धन्य-धन्य यह पुण्य धरा
सत्य सनातन परम ज्ञान का, जो करते अभिनव चिंतन
वही प्रेरणा पूंज हमारे.....

Priyanka Sundarni
Class IX-C



Role of Time Management

Time is valuable to all of us. Think of a situation when you are stressed, because you don't have enough time to complete your task or, reach your goal. Time management can avoid such situations. No matter how you slice the time, there are 24 hours a day, this means that we need to accomplish our task in this duration of time only. If we want to rise through the ranks, we have to acknowledge the importance of finding a way to manage this limited resource. When we learn to control our time, we improve our ability to complete our job, which eventually increases focus and thereby efficiency. Through effective time management, we can eliminate the pressure that comes from feeling, like you don't have enough time to achieve the task. When the time comes to examine the options and make a decision, you can take time to carefully consider each of your preferences, instead of rushing through the process. And when we are able to do this, we diminish our chances of making a bad decision. Each benefit of time management improves another aspect of your life. All you have to do is get the cycle started.

Leave Application



Priyanshul Mishra
Class IX-C

Oh! My Master, when I come,
Water rain Cham-Cham
Leg My Fisla,
Gira main Dhadam,
Niche was my bag,
Uper was Hum
Isliye today I can't come



Avni Sanghvi
Class XII-D

मौसम

मौसम परीक्षा का आया
टाईम टेबल देख के दिल मेरा घबराया
सब भूल गई कुछ याद न आया
दिमाग तो शून्य हो गया
दूध का दही हो गया
बीता समय हाथ न आया
सच ही कहा है किसी ने –
अब पछिताये होत क्या
जब चिड़िया चुग गई खेत ।

Shivani Sharma
Class IX-D



The unemployment problem in india

Since the dawn of independence India has been various problems like poverty, illiteracy, communalism etc. One of the most serious problems is the problem of unemployment. It has been increasing day-by-day. Government of India has been trying to solve the above problems through the five years plans. But the population in India is also increasing at an alarming rate. This increase renders all attempts ineffective. The provisions of new job opportunities fail to keep pace with the increasing number of youths.

There are two categories of unemployed people,

- (1) Uneducated persons,
- (2) Educated persons.

Moreover there is under employment also. Some people like farmer do not have sufficient work for the whole year.

There are several factors responsible for unemployment in India. The present system of education and lack of small or cottage industries also add fuel to the fire. It has been said above the present system of education does not give vocational training in schools and colleges. Much emphasis is laid on theoretical

aspect of various subjects. Consequently, the educated youths run after white-collar-jobs only.

The unemployed youths are frustrated. They indulge in antisocial activities. Drug-addiction, robbery and gambling etc. are the results. Many times they commit suicide. Thus the great man-power is being wasted and progress of the country is hampered.

In order to get rid of the devil of unemployment constructive steps have to be taken at all levels.

Job oriented education should be imparted so that they may not run after service only at the end of their education. Admissions to colleges should be restricted to brilliant students only. Cottage Industries should be encouraged. The youths possessing technical degrees should be helped to set up their own workshops. All of this cannot be done successfully by government alone, people should also come forward to co-operate. They should change their outlook and plan their families and check the population-explosion.

Siddharth Patel
Class IX-E

India joins Mars mission race



Suyogya
Yadav
Class IX-E

India's Mars Orbiter Mission is being considered as a well thought out and a key milestone. Former ISRO Chairman K. Kasturirangan said that it will help boost New Delhi's credentials to join future collaborative international deep-space missions.

"I think it's a very major, key milestone for ISRO'S efforts to push the frontiers of research in space science to the deeper reaches of solar system," he said.

The well-known space scientist also said that the success of this venture will establish India as an active partner in the collaborative framework of international missions.

"If the mission becomes successful, it would certainly put India among a select league of countries who had succeeded in sending a craft to Mars and, in a sense, will address all the problems that ultimately one has to overcome when you take up future deep-space missions not only to the Mars but to other planets of the Solar System", Kasturirangan said. The main objective of this mission is very simple. It is to demonstrate India's technological capability to send a craft to orbit around Mars. This will later help in conducting meaningful experiments, of which looking for sign of life is one. The craft will also take pictures of the Red Planet and study the Martian environment.

Bangalore-based ISRO said the Rs. 150 crore (approx.\$25 million), 1350 kg MOM spacecraft would be launched by the Rs. 110 crore (\$18 million) Polar Satellite Launch Vehicle (PSLV-C25) from Sriharikota spaceport, on Tuesday.

The satellite will be a carrier of compact science experiments which totals the mass of 15Kg/five instruments. These instruments will help in studying the Martian surface, Mineralogy and atmosphere.

Real Success

Today, we are living in the most civilised society. We all are familiar about the competition in educational field. Somebody wants to be a good doctor, somebody wants to be a top most engineer and somebody wants to be a master in other fields and most of them reach their goals. In this generation money, fame and reputation - these are said to be a success. But, at the same time we see poor and uneducated people are also living on this globe. Are they not happy? Yes, they are happy without much money and fame. That means success is not only the matter of money and reputation. The real success is the peace of heart. If anyone is living with peace then he can be called a really successful man. To be a successful man is an easy task. Keep your concentration only on your present. Don't go to your past and don't worry about your future. Just survive hard in your present and future will definitely be lighted. Always think positively and to be honest with your deeds. Then you will find yourself as the successful and happiest person of the Earth.

Trisha Kriplani
Class IX-D



Yash Ahuja
Class IX-E

Here is lesson you won't learn in class.
A gravity concept that leaves out the mass.
So pull out some paper and start taking notes.
There's moral inside that is getting my vote.
Gravity acts on us all as the same.
It doesn't point fingers or play silly games.
We all hit the ground with the same exact speed.
If we fall the same height. No-one gets in the lead.
The black and the white, and the shades in between
Are treated as equals. The way it should be.
The good and the bad, the large and the small
They all become weightless when in a free-fall.
It doesn't have favorites, or need to choose sides
A fact that can be easily verified.
The point of this lesson should be crystal clear.
I think that you know what I'm getting at here.
Stripped of our differences, one thing remains.
Deep down inside, we are all just the same.

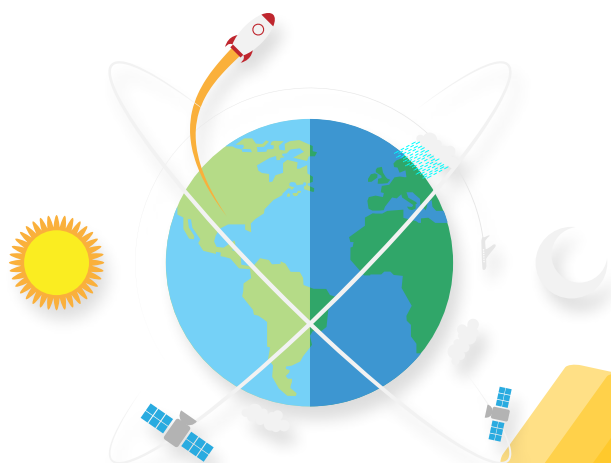
The portrait of my grand

Yes, for many years I have been with my grandfather, who loved me deeply and looked after me. When I was a school going kid, and he was quite old, he was still active and smart. He was fond of walking, jogging and playing outdoor games. He inspired me to get up early in the morning. He believed that a healthy mind live in a healthy body. He used to give us good physical exercises, followed by milk and nourishing food and then would ask us to study for a while before taught at the school. He would help us in our home work and supervise our reading, writing and Mathematics. He was gentle but firm. He laid great stress upon good habits and character building. I had started staying in a hostel for my studies, when he passed away. I miss him a lot. A sense of loss fills me whenever I see his portrait on the wall. But his cheerful look reminds me to be ever cheerful and meet the challenges of life.



Vandana
Suntwal
Class IX-E

All's Fair in Earth's Gravity



Don't Snatch Their Smile

Hey! There! Everyone!
Listen to my words,
Don't push the little kids
On the point of your swords.
Don't let the kids to
Crawl a thousand mile,
They are very small now
Don't snatch their smile.
They are very young and can
Demand for little things,
A squeaky little Mickey mouse
Or fairies with the wings,
Give them the opportunity
To read and write,
So that they can make
Their future bright.
Let's help them to fulfill
All their dreams,
Out of the world of
Pains and screams,
So come let's help those
Who are in need?
And fight those
Who shattered them in greed!!!
Stop child labour!! Stop child labour!!

Aniket Bose
Class IX-D



Child Labour is a social evil

Labourers below the age of 14 years are called child labour. India has the largest number of child labour in the world. According to the census figures of 1991, India has 11.29 million child laborers, which constitute 1.34 per cent of the total population of our country. Most of the child laborers are engaged in agriculture and allied subject like livestock, foresting and fisheries. In the urban areas, children work in dhabas, eateries helpers or cleaners in trucks and as domestic servants etc. They have long working hours, bad and unhygienic working conditions and fewer wages. The main reason behind child labour is poverty. Children born in poor families are forced to work not only for their own survival but also for their family. Awareness of the people and Government also compels poor parents to make their children employed as labourers in agricultural forms, factories, brick kilns and as domestic servants. Let us all take a step to ban this evil.

Vikranth Sagar
Class IX-D

Part-Time Job for Students

Part time is a recent craze among students. Part time is mainly done by students coming from poor families who can hardly afford just to educate them. So, that their personal earnings can help them to economically support their family as well as to take in other activities, here, other activities refer to different programs, functions and co-curricular activities in school. Now-a-days these activities have become a part of our daily school life. Earning in part time is no serious issue but yes it should be done under parents' supervision. So, that parents should know that in what type of business is their child engaged, how much he is earning and where and how much it is being spent. Not only this but the children of well-off families are also pursuing part time job to become independent and through this they also learn many moral values regarding life and money. So, in my own views part time working is not only a job but a practical class for our new generation and to me it's most important merit is that it keeps child busy in a good activity but yes it should not also affect ones' studies.

Abhishek Dixit
Class X-A

Asset of Nation: Teenagers.

Teenage is a sensitive age. It is a transition from childhood to adult stage. Thus it is full of unwise decisions, unlimited wishes, and recklessness but full of energy and enthusiasm. Thus it is rightly said teenagers are not only the asset of the family but also of the country.

A burning question arises: how teenagers are spending their free time?

In this context the choice of boys differ from girls.

Statistics have shown that boys spend most of their time in watching sports on television or playing outdoor and indoor games but girls spend more of the time in watching films and serials on television next to reading comics and general knowledge books.

If this is the thing not to worry much. But the real problem arises, when they spend time passively without gaining anything. It being the age of unwise decisions, they are mostly attracted by artificial charm and bubble like pleasure which is short lived and when they wake up, they find that they are far from their goal.

If a enemy country intends to destroy its rival country, it targets the teenagers by exporting such things to the country which can easily trap the teenagers; because destruction to the teenagers means destruction to the fate of the country.

Thus it is the prime duty of everyone to protect the teenagers of the country. Parents and teachers play a vital role in preserving and protecting this precious wealth, since they need lot of care and affection.

Teenagers are full of energy, creativity, enthusiasm and adventure .Their power must be constructively used, in order to make them the real resource for the family, country and world.

Amrit Patnik
Class X-E

Fun with Riddles

1. Name a room in which no one can live.
2. Once a mango was fallen from a tree and 1st one saw it but not ran, 2nd ran but not took it up , 3rd took it up but not ate and 4th ate it. Name these all four.
3. Name a place where many germs are found.
4. Once a wife shoots her husband and then they had a nice dinner. How is it possible?
5. What goes up but never comes down?
6. Which is the longest word in dictionary?
7. Imagine you are swimming in the ocean and bunch of sharks surrounds you. How will you get alive?
8. What was the India's Prime Minister's name in the year 1975?
9. Which is the highest peak in the world before Mt. Everest was discovered?
10. Ram's mother had 3 sons April, May. Name the 3rd son.



Answers

- | | |
|---|--|
| 1. Mushroom | 6. Smile because it has the word 'mile'. |
| 2. 1st is eyes, 2nd is legs, 3rd is hands and 4th is mouth. | 7. Stop imagining. |
| 3. Germany | 8. Our PM is Narendra Modi and in year 1975 his name was same. |
| 4. The wife shoots her husband with the camera. | 9. Mt. Everest because it cannot change. |
| 5. Your age | 10. Ram |

Garvit Gupta
Class X-C

एक कविता हर मां के नाम

घुटनों से रेंगते-रेंगते,
कब पैरों पर खड़ा हुआ।
तेरी ममता की छाँव में,
जाने कब मैं बड़ा हुआ।
काला टीका, दूध-मलाई,
आज भी सब कुछ वैसा है।
मैं ही मैं हूँ हर जगह,
प्यार ये तेरा कैसा है ?
सीधा-साधा, भोला-भाला,
मैं ही सबसे अच्छा हूँ।
कितना भी हो जाऊँ बड़ा,
"माँ"! मैं आज भी तेरा बच्चा हूँ।



Jatin Thakkar
Class X-B

Roots of Inspiration

With a couple of saplings she planted a tree,
A school to impart invaluable knowledge,
She cared it a lot and brought it to a certain degree,
Its quality could now be called as flawless.
This small plant now slowly started growing,
Becoming stronger day by day.
In knowledge's ocean the boat started rowing
And with a strong vision left the bay.
Now this tree has become miraculously strong,
It's like if she has given it wings.
Thousands of its fruits are singing success's song
And that "she" is none other than Mrs. Amita Singh.
Today, this tree is very proud
Of the fruit it bears.
With its exceptional quality stands apart from the crowd,
After all, it is the work of twenty five years.

A Leave Application

Respected Madam,

With all veneration
And deep contemplation
In a sick condition
I give you information
In a written composition
That my condition
Is beyond explanation

Therefore,

With great concentration
I will cause your

consideration

To grant my vacation
For ten days duration
As for school constitution
For the absolute elevation
Of my critical condition
And rest & reparation

In addition,

To avoid examination
Which is a big botheration
For modern Indian

generation

And I am no exception
Hence here is my

application

For the necessary

permission

Thinking you in

anticipation.

Thanks You!



Harshita
Paakh
Class X-D



Syed Shadan
Class XI-B

To Be Happy...!!

In our daily life we all are very busy & tired. We often suffer from mood swings. So, can you say that you are enjoying your life? Gradually we all are losing cheerful attitude towards our life. Here are some techniques you can use to refresh yourself and be happy! :

- Talk a little more: At the beginning of your day, talking a little more than you talk usually can really make your day good. It has been found in a study that the people who talked a little more at the beginning of the day at their workspace spent a better day than others. All that works is the healthy environment created around you by doing so.
- Laugh out loud: By laughing you can change your surroundings. Really, when you laugh, the people who are watching you also generate a positive vibe like you and thus, creating a positive and joyful environment. Also, be aware that you are not laughing at an odd situation.
- Do the things that you have never done before: For recreation, you can do the things that you have never tried to do. For example, you can learn to climb on a tree or to fly a kite, gift some books to poor children or whatever you like.
- Communication: This sounds general but actually it is very helpful. What you have to do is just try to communicate to your relatives or friends to whom you have not communicated for a long time. This will make both you and your relative or friend happy.

So, these are some of the techniques you can use to make your life more interesting and joyful. Just give them a try and feel the magic. Till then, keep smiling and be happy.



Mansi Jha
Class X-E

Story: I Will Survive

This is a story of a lady name Sumita, she is of 40 year old. She has a son name Aditya who was studying in class 12th. This tragedy happened when Sumita saw a dream in which she is taken to I.C.U for her cancer operation, everyone was crying in the hospital when suddenly her dream was broken and then she woke up, the very next time she told this to his husband. After listening to what his wife said he was in delimma. After a long conversation, he decided to take her to the hospital for diagnosis. They were stunned after getting the report; Sumita was in the 3rd stage of cancer. Doctor said that she has only few months left and can't guarantee for her life. Sumita didn't want to tell her son but she told him. After telling him, he made his goal clear, and instead of becoming weak he convinced himself to be strong. Aditya's board exams were started and this side her mother's operation. During the exams of Aditya, he was trying to concentrate on his studies neither to shift his mind on her mother's operation. As her mother wanted him to top in his class, so that he could get his admission in the top college of the city. He eagerly wanted to fulfil her mother's last wish. All through the exams, her mother was getting through lots of suffering. On the other hand, her mother also set a goal for herself "I WILL SURVIVE". Doctors, her husband and she herself were trying their level best to save her life. On Aditya's result day her operation was to be operated, as Aditya got his result he ran to the hospital to tell this amazing news to his mother that he has topped in the top 5 schools of his city. His happiness was doubled when he got to know that her mother's operation was successful. Finally, Aditya's mother too fought bravely and won the battle "I WILL SURVIVE".

Ritika Agarkar
Class X-D

Love You Mom!!

My mom only had one eye, and I hated her. She was just an embarrassment. She cooked for the students and teachers to support the family. That's her work. That's how she kills herself.

There was this one day during the elementary school where my mom came to say hello to me. It was the most disturbing day of my life. I was so embarrassed. How could she do this to me??

I ignored her, threw her a hateful look and ran out.

The next day at school, one of my classmate said – "ewe your mom only has one eye". I wanted to bury myself. I also wanted my mom to just disappear. So I confronted her that day and said ... "If you're only going to make me a laughing stock, why don't you just DIE!!" My mom did not respond. I didn't even stop to think for a second what I had said because I was so full of anger. I was oblivious to her feelings. I wanted out of that house and nothing to do with her.

So I studied real hard, got the chance to go to Singapore to study. Then I got married. I bought a house of my own. I have kids of my own. I was happy with my life. With my kids and the comforts. Without My Mom!

Then one day, my mother came to visit me. She hadn't seen me in years. She didn't even meet her grandchildren. When she stood by the door, my children laughed at her and I yelled at her for coming over uninvited. I screamed at her... "How dare you come to my house and scare my children! GET OUT OF HERE NOW" and to this my mother quietly answered- "Oh, I'm sorry. I may have gotten the wrong

address". And she disappeared out of sight.

One day, a letter regarding a school reunion came to my house in Singapore. So I lied to my wife that I was going on a business trip.

After that reunion, I went to the old shade which was my childhood home just out of curiosity. My neighbours said that she has passed away. I did not shed a single tear. They handed me a letter that she had wanted me to have.

My dearest son,

I think of you all the time. I am so sorry that I came to Singapore and scared your children. I was so glad when I heard you are coming for the reunion. But I may not be able to even get out of bed to see you. I am sorry that I was a constant embarrassment to you when you were growing up. You see... When you were very little, you got into an accident and lost your one eye. As a mother, I couldn't stand watching you having to grow up with one eye ...

So I gave mine....

I was so proud to my son who was seeing a whole new world for me. In my place, with that eye.

With my love to you,

Your mother...

I was actually crying while reading this letter. My heart is shattered into pieces.

Sonam Patel
Class X-D

यूं ही करते रहो परोपकार

यूं ही करते रहो परोपकार
यदि आप ना करे किसी पे वार
पकड़ ले सदा अहिंसा की पतवार
तो बन जाए सुखी संसार
कभी न हो आपकी हार
यूं ही करते रहो परोपकार

जीवन में आपके आ जाएगी बहार
दिनों-दिन बढ़ता जाए आपका कारोबार
परिवार में बना रहे स्नेह और प्यार
होती रहे सदा आप पर धन कि बौछार
खुशियों से भर जाएगा आपका संसार
यूं ही करते रहो परोपकार



Tavneet Kour
Kohli
Class X-B

Subject Selection Dilemma

We all aspire for a good, healthy and happy future, a secured & tension free future and this could be possible only when we pass the higher class with flying colours. Class XI is really very imp. Because it is the foundation for our future. In this class we have to choose our goals, our aims. The first step towards our goal is choosing the subject. Most of the students fail to achieve a secured future because they never took it very seriously & when the time comes, they choose the subject randomly and in haste and finally end up their life.

Like in very home, everyone wants their child in their favourite profession and may pressurize them. But you sit for a while & think what 'you' want to become. Search the opportunities you can get in that field & discuss it with your parents & choose the best option-once you have decided which subject you want to opt, make it your goal profession & take oath to work hard & faithfully to achieve your goals. It's all useless if you are not faithful to you. So get your goals set now.

BEST WISHES FOR YOUR FUTURE



Rashmi Poya
Class XI-D

The Happy Days will come to an end

THE HAPPY DAYS WILL COME TO AN END
STUDIES WILL BECOME MORE IMPORTANT
THAN BEST FRIENDS!!!!

IT WILL BE END OF UNIFORM TREND.....

WE'LL GET A CHOICE OF COMMERCE, SCIENCE, ARTS,
BUT WHO'LL FORGET THOSE FARE WELL CHARTS...

WE OFTEN TIED RIBBONS ON OUR HAIR,
BUT ALWAYS LEFT THEM OPEN AT THE SCHOOL FAIR
FROM SOCKS AND SHOES TO HAIR AND BADGE

EVERYTHING WAS IN DISCIPLINE,
SO WE APPEARED NEAT AND CLEAN

WITH THE TIME...NO ONE HAS TO WAKE UP IN STROKE
OF THE SUN...BUT OFCOURSE
WE'LL MISS THE DAYS OF FUN....



Shruti Lakhotiya
Class X-E
(2014-15)

नकली नोट

नंदा नाम का एक व्यक्ति था। वह गाय-भैंस का दूध बेचकर अपने परिवार का खर्चा चलाता था लेकिन अपनी आमदनी बढ़ाने के लिए वह दूध में पानी मिलाता था। कुछ ही दिनों में उसे दूध में पानी मिलाकर बेचने से बहुत लाभ होने लगा। साथ ही उसके मन में बेईमानी भी बढ़ती गई। लालच में वह दूध में ज्यादा ही पानी मिलाने लगा। एक दिन वह अपने एक बंधे हुए ग्राहक के घर पर दूध बांटे गया। दूध में अधिक पानी होने के कारण ग्राहक की शिकायत पर नंदा ने जवाब दिया नहीं साहब, मैं दूध में पानी नहीं मिलाता हूँ। असल में बात यह है कि मेरी भैंस आजकल तालाब में ही पड़ी रहती है और पानी भी कुछ ज्यादा ही पीती है इसलिए वह दूध पतला दे रही है। नंदा की बात सुन ग्राहक समझ गया कि नंदा उसे बेवकूफ बना रहा है। उसने नंदा को सबक सिखाने की ठान ली। एक दिन नंदा ने ग्राहक से दूध के रुपये मांगे और कहा साहब, आज मुझे चारा खरीदने जाना है। ग्राहक ने उसे पांच सौ रुपये दिए। नंदा वह नोट लेकर शाम को गाय-भैंसों के लिए चारा खरीदने चारे वाले के

पास गया। चारा लेने के बाद उसने वही नोट चारे वाले को दिया। वह नोट हाथ में लेते ही उसने कहा अरे नंदा यह तो नकली नोट है। कहां से ले आया ? मैं इसे नहीं लूंगा। बेचारे नंदा को चारा छोड़ना पड़ा। दूसरे दिन वह सबसे पहले उसी ग्राहक के पास गया और उन्हें पूरी बात बताई। उसकी बात सुन ग्राहक बोला-‘मैंने तो तुम्हें असली नोट दिया था शायद बेईमान आदमी की जेब में जाकर वह असली नोट नकली हो गया।’ नंदा परेशान हो गया और बोला-‘यह आप क्या कह रहे हैं साहब! ऐसा कभी हो सकता हो क्या ? ग्राहक बाला - ‘ठीक ही तो कह रहा हूँ। जब ज्यादा पानी पीने से गाय दूध पतला दे सकती है तो फिर असली नोट नकली क्यों नहीं हो सकता? अब नंदा को सारी बात याद आ गई। उसने अपनी बेईमानी न करने की कसम खाई। इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें कभी बेईमानी नहीं करनी चाहिए।

Saransh Wankhede
Class VIII-D

Swachha Bharat Abhiyaan



Sakshi Sawai
Class X-E
(2014-15)

"A love for tradition has never weakened a nation; indeed it has strengthened nations in their hour of peril." A good, well managed, developed or a developing country is what the citizens want. And I think this is what all the Indians realized this time. Frankly think that now all of us i.e. the Indians hope of getting a good country by facing past years with other government. It is said that "SWACHHA DESH HI SWASTHA DESH HAI" [A CLEAN COUNTRY IS A HEALTHY COUNTRY] and this is true to a great extent. It was Gandhiji's dream.

SWACHHA BHARAT ABHIYAAN [also known as Campaign Clean India] this is what one of the biggest topic currently. Officially Launched on 2 October 2014 by Prime Minister of India Narendra Modi at Rajghat, New Delhi... On this day, Modi addressed the citizens of India in a public gathering held at Rajpath, India asked everyone to join this campaign. Later on this day, Modi himself swept a pavement at Valmiki Basti, a colony of sanitation workers, near Rajpath.

The campaign is India's biggest ever cleanliness drive and 3 million government employees and schools and colleges students of India participated in this event. This campaign aims to accomplish the vision of 'clean India' by 2 October 2019 150th birthday of Mahatma Gandhi and is expected to cost.

Over Rs.62000 crore (US\$10 billion). The campaign was described as "beyond politics" and "inspired by patriotism"

THIS IS THE responsibility of all the Indians to join with campaign and bring our country to the top. Koi kam chota nahi hota this is what we should learn and join with this campaign. I really liked and should honour Mr. Narendra Modi's ideas in every field taking it for banking to agriculture. Taking inspirations from him the youth of our country should and will make our country the best one. Hats off to great personality!!!!

Value of Education

"EDUCATION IS THE MOST POWERFUL WEAPON WHICH YOU CAN USE TO CHANGE THE WORLD" -BY NELSON MANDELA

Education is valuable in everybody's life. Without education an individual is incomplete. EDUCATION is just a simple word but its meaning is diverse. It makes a person. It doesn't means to know how to read and write one language. It means giving basic virtues to a student who is he the future of a country. It makes individual not only a successful person but also a good and responsible individual and citizen of a country. It makes us a boon instead of a burden for a country. It is important for the development of every country but it is very important for a country like India where there is a huge population and each individual need to prove himself / herself. Today whatever we are it's because of education. It helps us to deal with various problems in life. We are able to know our history because of education. Because of it we are able to differentiate between right and wrong. It decides our personality which will affect our present and future. We are able to overcome various social evils because of education. In today's world where we are surrounded by various evils (TERRORIST) education only help us to tackle it and overcome it. In each step of our life we need education. If I am able to write this article and you are able to read it is because you are educated. Today government is making various programmes to educate more and more citizens. In last I want to conclude that education is needed for the development of our country. To become a good individual we should be educated. It is important in everyone's life. Education is like a magic weapon which you can use to fight all the evils.

Riya Jain
Class XI-D

MAKE LEARNING FUN!

Animations in Apps
<http://rsgr.in/apps>

Tap Scan Watch

Apps available for:

Communicate
in English

Pearls

Rays

Testimonials...

Really helpful.
It is magical.

-R.Chandra

Great way of
learning.

-S.Dias

These **FREE** Apps help improve

- ✓ Listening Skills
- ✓ Reading Skills
- ✓ Comprehension
- ✓ Pronunciation

Coming soon for
other series

All you need:

- A smartphone
- The book

You need to:

- Download
- Install
- Watch offline

Ratna Sagar
eLive 2.0 app



Ratna Sagar

an ISO 9001:2008 and 14001:2004 company



VIRAT BHAYAN,
COMMERCIAL COMPLEX, MUKHERJEE
NAGAR, DELHI 110009



EMAIL:
rsagar@ratnasagar.com



P: (011) 47038000
F: (011) 47038099



WEBSITE:
ratnasagar.com



BYWORD BOOKS



EDUCATION NEWS
[rsgr.in/rsfcbk](https://www.facebook.com/rsgr.in/rsfcbk)



LATEST ON EDUCATION
[rsgr.in/rstweets](https://twitter.com/rsgr.in/rstweets)



PRIMUS BOOKS



BUY ONLINE
[rsgr.in/rsbuy](https://www.rsgr.in/rsbuy)



NEWSLETTERS
[rsgr.in/rsnews](https://www.rsgr.in/rsnews)



Super teacher



DISCUSS EDUCATION
[rsgr.in/rsdiscuss](https://www.rsgr.in/rsdiscuss)



GCE BRAINSTORMING
[rsgr.in/rnsbjr](https://www.rsgr.in/rnsbjr)

BRANCHES CHENNAI • LUCKNOW

OFFICES AGRA • AHMADABAD • BENGALURU • BHOPAL • COIMBATORE • DEHRADUN • GUWAHATI • HYDERABAD • JAIPUR • JALANDHAR • KANPUR • KOCHI • KOLKATA • MADURAI • MUMBAI • PATNA • RANCHI • VARANASI

My Indian Army

AS I SEE THE INCREASING VIOLENCE IN INDIA'S HINTERLAND BY THE NAXALS AND THE INEVITABILITY OF THE DEPLOYMENT OF THE INDIAN ARMY – I REFLECT ON MY MUSINGS ON LEAVING THE ARMY TWO YEARS AGO- WHEN I LEFT THE SOUTH BLOCK AND THE GOVERNMENT OF INDIA FOR GOOD.

I stumbled into the Indian army in the late seventies. The school which admitted us mid-session, when we returned from Singapore, where my father had a brief teaching stint at the Singapore University, was the army public school, dhaula kuan, with teenage sons of army officers as friends; it was natural to apply to join the national defence academy. A friend filled my form and even paid the application fee. I wasn't serious at all of pursuing a career in the military- much like Hrithik Roshan in Lakshya. I saw a movie with my friends, after each of the four NDA entrance papers, and argued with my father when he questioned me on my lack of commitment to exam.

Surprisingly, I qualified on the service selection board standing 19th in the army all India merit list. I then chose to join the national defence academy, as a career was assured at such an early age.

Boys transform into enthusiastic, self confident young men with fire in their belly and an idealistic vision to contribute meaningfully to the security challenges that India would face in the future.

Pradeep Mandhan
Class XI-B

Chemical analysis of Topper Student

Symbol – Tp

Chemical Name – Padhaku

Chemical Reaction – 1st bench + books + teachers

Occurrence - They are found in pure state and readily react with cold, tension etc.

Method of preparation :

Student + good books + peaceful atmosphere = Toppers

Student + gray matters + concentration and preparation = Toppers

Physical Properties :

1st: Have high melting point.

2nd: They are improper uniform and weak thick glasses.

3rd: Poor conductor of fashion but good conductor of lecture.

Chemical Properties :

1st: Strong tendency to be punctual.

2nd: Chemical inactive towards bad habits.

Uses :

1st: Generally used in bringing good names to their parents.

2nd: Very useful to institutions for borrowing notes.

Test of toppers :

They have high irritating point. Pure toppers are hygroscopic i.e. when left alone absorbs large amount of knowledge and become saturated.



Rajpreet Kaur Mann
Class XI-A



A Mom at School

A Teacher by name Mrs. Thompson entered the class for the first time and she had this habit of starting her class by saying "LOVE YOU ALL". But she knew she was lying because she could not feel that love for one of the students in class who was much unkempt, untidy and there was nothing in that child that drew attention from Mrs. Thompson. She was little indifferent to that child. She picked up that child for every negative example and ignored him for every positive reason. That year she had written the progress report for the first quarter and it was a system in the school that the headmistress has to counter sign the every progress report. She called up Mrs. Thompson and told her that a progress report should report some progress. It should make a parent feel that my child has a future. The way you have written progress report for Teddy, Parents will give up on Teddy. Mrs. Thompson immediately said there is nothing I can do, I have nothing positive to write about the child. Immediately the Headmistress asked administrative staff of the school to trace the old year's progress reports of Teddy and send it across Mrs. Thompson's class. Mrs. Thompson saw third year's progress report of Teddy and it was written as the final remarks "Teddy is the brightest child in the class." She was stunned by what she read. Then she saw the fourth grade progress report and the progressively all the remarks suggested that "the Teddy's Mother was suffering from terminal cancer and thus she is not able to give the attention to Teddy what she used to give him earlier". The fifth standard progress report read that "Teddy had lost his mother and along with her himself. He desperately needs help otherwise we will loose this child." By then there were tears in the eyes of Mrs. Thompson. She looked at the Headmistress and said I know what to do. And she went back to her class. Probably it was a Monday morning and again from the dais of the class she said "Love you all." But she knew she was lying because the love she was feeling for Teddy was far more than the rest of the class. She decided that she is going to change her approach for every positive reason. Teddy's name was called. There was no more a negative reference to whole thing. The last day of the school came. All the children had brought some gifts for the teacher. There was only one gift that was wrapped up in an old newspaper. Somehow the sense of a teacher she could knew that it must be from Teddy. She opened that first. A half used perfume bottle and a bracelet from which a few stones were already fallen were there. The whole class laughed knowing that it was from Teddy. But without saying anything Mrs. Thompson just took that half used perfume bottle sprayed it on her and wore that bracelet. With a quarter smile it seems Teddy told "Now You Are Smelling Like My Mother." This is the last perfume that she used when she left me and this is what was removed from her body before she was taken in to the coffin. Later at the end of the year there was a letter on Mrs. Thompson's table "I have seen few more teachers but you are the still the best teacher I have ever seen". Love Teddy. Every year at the end of the term Mrs. Thompson used to get this letter from Teddy. Years rolled by and they lost contact. But somehow through an agent Teddy traced Mrs. Thompson who had retired by now and handed over her a letter and the letter was signed Dr. Theoder (Phd.), and the letter read I have seen many more people in life, Mrs. Thompson this is your Teddy you are still the best teacher I have ever seen. I am getting married but I cannot dream of getting married without your presence. Mrs. Thompson couldn't resist. She no more had that perfume bottle but preserved that bracelet and she wore that and went to the church. Volunteers identified her and assured her right in the front row and there was a seat with a placard written "Mother". Theoder personally asked Mrs. Thompson to sit on the chair and whispered, "You are the closest to my mother that I have experienced and whatever I am today it's because of you Mam. The wedding happened and after the wedding, Teddy introduced Mrs. Thompson to his newly wedded wife, "Without her I wouldn't be where I am today. There were tears in Theoder's eyes. Mrs. Thompson said to newly wedded woman, "without Teddy I would have never realized that a teacher must first be a mother to every student of hers and only then a teacher."



Muizz Ali Lirani
Class XI-B

Grading System

The new scheme of grading has been introduced with the aim that: It will minimize misclassification of students on the basis of Marks. It will eliminate unhealthy competition among high achievers. It will reduce social pressure and will provide the learner with more flexibility.

As students we all have been challenged to do our best. Throughout our life we have been laboured with our grades; in high schools, the one with low grades were left alone in misery, while one with higher grade were praised as the leaders of this horse race. Then, the question that comes into our mind is: Is it right to categorise students, those grading contribute to education? It is assumed and stated in the philosophy of the current educational system that grading increases learning.

Grading system is based on fear, because the grades are main criteria for passing courses, students do not study: they just develop the method of cheating and subject passing only.

Grading system has advantages as more students take rigorous courses. It increases student GPA. Students feel less stress with grading system. The spirit of competition is less among the student. It helps in overall development of child.

Thus grading system is a good step change the old education system in the country. Both the marking system has their pros and cons. The marks help us identify exact scores; grade places us in predefined categories like A, B.

Muskan Sethia
Class XI-A

Happiness... A Quest?

Happiness means the same for all but people mean it in different aspects as per their age groups.....I came to realise it when I was sitting under dazzling starry light holding my childhood photo I suddenly came to know that even today after 14 years of age I remain the same as I was at my state of first heart beat. Big innocent smile, small sparkling eyes, big monkey like ears, a dimple on left chin everything remains the same.

But the thing which was changed was my attitude....My view towards life. Life was then a game for perhaps now I am a game being played by Life. Before, I experienced tears of joy in my eyes but now are filled with sorrow and grief. Then time did not matter to me at all and now I don't matter to time. People don't changetime does. People do not approach Happiness, It is very much the reverse way around Happiness approaches us.

The happiest person is not happy because it has everything in his life but is because happiness finds him everywhere. For this you need to be smiling so that god knows where happiness belongs. You always have to remember that you were born a little baby which still lies well within you and then I am sure we shall be able to unveil the road to happiness in its real and truthful sense.

DIL TOH BACHCHA HAI JI.....KEEP KIDDING YOURSELF!!!

Mahima Jain
Class XI-D

किताबें कुछ कहना चाहती हैं



Daksh Mahna
Class XI-A

किताबें कुछ कहना चाहती हैं...

किताबों में चिड़ियाँ चहचहाती हैं, किताबों में खेतियाँ लहलहाती हैं।

किताबों में झरने गुनगुनाते हैं, परियों के किस्से सुनाते हैं।

किताबों में रॉकेट का राज है, किताबों में साइंस की आवाज है।

किताबों का कितना बड़ा संसार है, किताबों में ज्ञान की भरमार है।

क्या तुम इस संसार में नहीं जाना चाहोगे ?

किताबें कुछ कहना चाहती हैं

तुम्हारे पास रहना चाहती हैं।



"Strength is life weakness is death".

An Ideal Student by Swami Vivekanand.

Swami Vivekananda has inspired many generations not only in India but in the world as well. He always believed extreme value of youth period is immense and sublime. To become an ideal student there are certain qualities that swami Vivekananda mentioned in his lessons.

- **Respect** : Respect your parents, your teachers and your elders.
- **Love** : Love your country, your culture and your ancestors.
- **Service** : Serve the poor, the illiterate and the diseased.
- **Self-Discipline** : Discipline your body, your senses and your mind.
- **Self-Control** : Control your words, your thoughts and actions.
- **Faith** : Have faith in yourself, in others and in God.
- **Discrimination** : Discriminate between good and bad, real and unreal.
- **Concentration** : Concentrate whole- heartedly while studying, working, playing or praying.
- **Truthfulness** : Be truthful in words, thoughts and action.
- **Hard Work**: Hard work to acquire knowledge, skills and wisdom.
- **Strength** : Be Strong Physically, mentally, intellectually and spiritually.
- **Conviction** : Have faith in power of goodness, purity and honesty.
- **Devotion** : Have devotion for duty, scriptures, holy people and God.
- **Habits** : Cultivate regular habits of prayer, meditation and reading inspiring and strengthening literature.
- **Same-Sightedness**: Feel the presence of divine in all beings and treat them with the same standard as you treat yourself.
- **Firm Determination** : Have strong will-power to cultivate good habits in order to achieve permanent happiness, peace and success.

These are the key ingredients that Swami Vivekananda believed, are important to become an ideal student. The teachings of Swami Vivekananda inspired many legends, thinkers and leaders.

Ayush Gupta
Class XI-B

श्री वीर सावरकर ने कायम की मिसाल

श्री वीर सावरकर को राजद्रोह के आरोप में कारावास की सजा सुनाई गयी थी। अंडमान जेल में उन्हें सवेरे उठते ही कोल्हू चलाना पड़ता था। कोल्हू में नारियल की गरी पड़ते ही वह इतना भारी चलता कि बलिष्ठ शरीर के बंदी भी उसकी 20 फेरियां करके रोने लगते थे कोल्हू के डंडे को हाथ से उठाकर आधे रास्ते तक चला जाता और उसके बाद का आधा गोला पूरा करने के लिए डंडे को लटकना पड़ता, क्योंकि तब तक हाथों की शक्ति समाप्त हो चुकी होती थी। जब कोल्हू में काम करते हुए वीर सावरकर प्यास के मारे बेहाल हो जाते थे, उन्हें पानी नहीं दिया जाता है और जमादार कहता "कैदी को दो कटोरी पानी देने का हुक्म है और तुम तो तीन पी गये। फिर क्या तुम्हारे बाप के घर से लाएं शरीर थक कर चूर हो जाता। लेटते तो नींद नहीं आती क्योंकि अगले दिन के कोल्हू की चिंता सताने लगती कोल्हू पेरते समय जब शरीर धूल से सराबोर हो जाता तो स्वयं का यह कुरूप देखकर फांसी लगाने की इच्छा होती किंतु अगले ही क्षण राष्ट्रभक्ति का आवेग दोगुना जोश भर देता। जब वीर सावरकर को 50 वर्ष के लिए काले पानी की सजा सुनाई गयी तो उन्होंने अत्यंत धैर्य के साथ उसे स्वीकार करते हुए अधिकारी से इस निर्णय की प्रति मांगी। तब उस अधिकारी ने चकित होकर कहा था "यह बात मेरे हाथ में नहीं है फिर भी आपके लिए मुझसे जो कुछ बनेगा, अवश्य करुंगा" तथापि इतनी लंबी सजा का समाचार, तो मुझ जैसे कठोर व्यक्ति को हिला देने वाला था आपने जिस धैर्य से स्वीकार किया वह अत्यंत सराहनीय है ऐसे देशभक्तों से सबक लेकर युवा पीढ़ी को राष्ट्रहित पर निजी हितों को तरहीज देने वाले भ्रष्टाचारियों को कड़ा सबक सिखाना चाहिए।

Aruna Singh
Class XI-D

Value of Time

Time is money. We can make more money by the good use of time. We cannot make more time by even the best use of money. Whatever time is lost cannot be regained. Anyone who knows the value of time will waste a single minute of it.

One day the secretary of George Washing, the first president of the US, came late to the office. The president asked him, "Why are you late today?" The secretary replied, "Please excuse me sir my watch showed me the wrong time." The president told him, "You will have to change your watch or I will have to change my secretary."

USA is known to be the most developed nation in the world. The nation progressed because the people there make a good use of time. It was difficult for the president to tolerate his secretary of just a few minutes. A few put together on many days make a lot of time.

We should always be punctual. Punctuality is a virtue that helps us to become a successful person. However this can only be achieved through time management. If we are not punctual others may not be able to do what they need to do because we are not on time. When many people have to wait even a few minutes for us, they are all together losing a lot of time only due to us. Therefore, it is good to use every minute and value the time.

With time everything is possible. The value of time is more than that of money. When we wake up in the morning, we have 24 hours in our hands that are still unused. No one can steal those 24 hours from us. On the other hand, no one has more than 24 hours a day. Great people who did wonderful things did not have extra hours a day. They just made a good use of time when we have wasted our time we have lost apart of our own life.

Our success depends on the best use of our time. Thomas Alva Edison, the man who made the first electric lamp, was only a telegraph operator with a small salary. He spent his free time experimenting with a lot of things. He became one of the most famous inventors of all times.

What we do during our free time will benefit us greatly. It will help us know more and do more in our life. A minute that is lost never comes back again. A successful person makes his time fruitful by doing something useful or enjoyable.



Arpita
Shrivastava
Class XI-A

Letter of Algebra to Trigonometry



Dimple Bajaj
Class XII-D

58 Degree, 33 minutes, Differential Street, Geometrical Nagar,

Dear Trigonometry,

With due calculation I am asking your opinion about the marriage of my son "Zero" with your daughter "Infinity". I have already consulted Mr. Integral. He says that their stars promise happy and prosperous conjugative life. He says that they are ready to die for each other.

My son is a hard working, very good and is obtained by many students in the examination proving his popularity among the younger generation. As regarding your daughter, she is beautiful and once she begins to move, she doesn't stop. Many intellectuals have tried to curb her, but it is only in my son's presence she does not take a step further, so in my opinion they have already studied each other. I am sure you will agree with my opinion. I am waiting eagerly for your reply

Yours Mathematically
"Algebra"

Your Health is written all over your face

By THE PHYSICIANS OF THE DOCTORS

WHEN DOCTORS CHAT with patients eye to eye, it's not just about creating rapport. Certain facial traits may reveal vital clues to underlying health conditions. We asked doctors from all over to share what they look for while examining patients. The most important tip we took away: you should worry most about a change in appearance. If symptoms are new, tell your physician.

Dry, Flaky Skin or Lips

This is a Common warning Sign of dehydration. It may also indicate a more serious problem that affects Sweet gland function, such as hypothyroidism hormone or diabetes, says Roshani Raj, MD, Assistant Professor of medicine at the New York University School of Medicine and author of what the yuck?! Other Signs of hypothyroidism include feeling Cold, Weight gain, and fatigue. Diabetes symptoms include extreme thirst, frequent urination and blurry vision.

Excess Facial Hair

Unwanted hair, particularly along the jaw line, chin and upper lip, Could be a symptom of polycystic ovary syndrome, a hormone imbalance in which male hormone levels are elevated.

Soft, yellow Spots on Eyelids

Patients with the cholesterol-filled lesions, Called Xanthelasmata, may have a higher risk of heart disease. A 2011 Danish study of about 4 percent had the spots and that those patients were nearly 70 percent more likely to develop hardening of more likely to have a heart attack Over the next few decades than patients without them.

Eye Bags and puffiness

Tired looking eyes could be a flag for chronic allergies, which dilate blood vessels and Cause them to leak. In the sensitive skin under your eyes, this creates puffiness and a dark purple – blue hue, says Dr. Raj.

Facial Asymmetry

This can be one of the first signs of stroke, says Leana Wen, MD, an emergency physician at George Washington Doctors Don't Listen: How to Avoid Misdiagnoses and unnecessary Tests.

"Patients will often describe it like this: I looked in the mirror, and my face looked different". You might also notice that one side of your face is numb or feel as if you can't fully smile. Or you might have trouble Speaking. If you Suspect that you or a relative may have had a Stroke, rush to a hospital right away.

Discoloured Complexion

Even Slight changes may indicate that something may be wrong paleness could be a sign of anaemia. A yellow tone could indicate liver disease. A bluish tint in lips or nail beds could indicate heart or lung disease, Says Mallika Marshall, MD, an internist and paediatrician.

Rashes and Blotches

Certain digestive problems may show up on Skin, Say's Dr. Raj. Itchy Clusters of red bumps could indicate Celiac disease, an autoimmune disorder in which the body reacts to gluten. A butterfly shaped rash across the cheekbones and over the bridge of the nose can be a sign of lupus. Allergies, eczema and rosacea, and certain infections can also trigger facial rashes.

Receding chin

Along with traits like thick neck and a small jaw this could be a sign of sleep apnea, a disorder in which your breathing repeatedly stops for ten seconds or more while you sleep, says Dr. Raj. If you snore loudly, get headaches first things in the morning, or feel excessive fatigue during the day, ask about getting tested.

G. Yashaswani
Class XII-D

Our Grand Parents

A couple of years ago I got a chance to participate in a debate where the topic was 'Having Grandparents- Advantage or Disadvantage' and at that time I felt that it cannot be a topic of debate as there are no disadvantage of having grandparents and so today when I got a chance to write an article I thought this topic is the best topic to write as to bring it to the young generations notice that grandparents are the most vital organs of any family.

Grey hair, four eyes and a third leg in our grandparent's hand doesn't give us a right to discard them from our lives. We should know that if we are here on this earth it is only because of them. I think a family with grandparents is a blessed family, because it's a complete family.

At various stages I feel our grandparents play various roles for us. They become our best friend when we feel lonely, they become our elder brother when we want something, they become our elder sister when we have done something wrong and they become our parents when we need care.

So what if they are traditional, so what if they want things their way, so what if they are fussy over some matters, after all there is generation gap n there is generation gap between us and our parents too. How can we expect them to change overnight? I think many steps should be taken by us

and few by them for all of us to reach a certain point. I know they don't want us to go for a disc, stay out for a sleep over, go on tours, but doesn't this all come out because they care and want us to be safe. And I think with proper explanation how it is possible that they will not understand. Of course they will.

We with changing time have changed accordingly and have come far away from our tradition. Aren't our grandparents the one because of whom we are enjoying Diwali with crackers, rangoli and sweets and Holi with colours. Aren't they because of who we still are with emotions of sympathy, compassion, forgiveness – because today's world has become materialistic and many have become ruthless.

Nowadays with both parents working, grandparents have become the back bone of a family as because of them the parents are able to work with peace as they are relaxed on the part that their kids are in the safe caring hands. Apart from this the parents are also relaxed that the children are going to be blessed with good morals and responsibilities.

Grandparents are the icing on the cake, making what is already good, even better who have a boon of unconditional love for us and so it is our responsibility to give them deserved place in the family at the evening of their life.



Rushauti Atre
Class XII-D



यू जियों की दुनिया याद रखें...

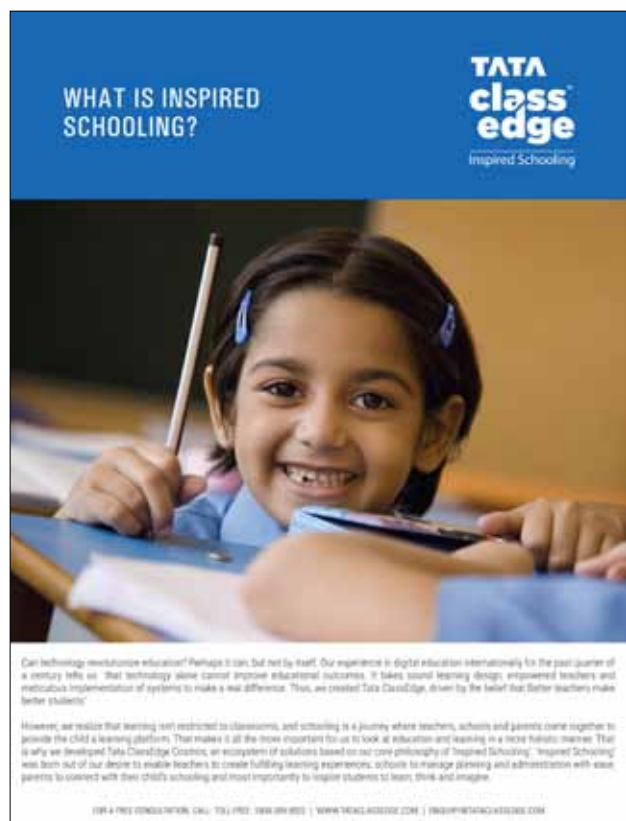
करीब एक सदी पहले एक आदमी अखबार पढ़ रहा था। शोक समाचार के कॉलम पर नजर पड़ते ही वह चौक उठा क्योंकि शोक समाचार में उसी की मृत्यु की सूचना थी। वह घबरा गया कि आखिर ऐसा कैसे हो गया? गलती समाचार पत्र की थी जिसने दूसरे व्यक्ति की जगह इनका नाम प्रकाशित कर दिया था। कुछ देर बाद जब यह आदमी सामान्य हुआ तो इसने सोचा कि अगर वाकई मैं मर गया होता तो लोग मुझे कैसे याद करते? यह सोचकर इसने शोक समाचार को पूरा पढ़ा। वह यह पढ़कर हैरान हो गया कि उसके लिये 'मौत का व्यापारी' और 'डायनामाइट का आविष्कारक अल्फ्रेड नोबेल' था। ये सब पढ़ने के बाद अल्फ्रेड ने सोचा कि क्या मेरे मरने के बाद लोग मुझे ऐसे ही याद करेंगे? मन ही मन विचारों में उलझते जा रहे अल्फ्रेड ने तय किया कि वे इस पहचान के साथ नहीं मरना चाहते कि लोग उन्हें मौत का व्यापारी कहकर याद रखें। इस घटना ने अल्फ्रेड नोबेल के जीवन को शांति की राह पर मोड़ दिया था। इसके बाद से अल्फ्रेड दुनियाभर में शांति प्रयासों में लग गये। यही नहीं उन्होंने अपने नाम से नोबेल पुरस्कार की स्थापना भी की। आज दुनिया उन्हें महान 'नोबेल पुरस्कार के जनक' के तौर पर याद करती है।

आखिर जब हम इस दुनिया से विदा होते तो लोग हमें किस रूप में याद रखेंगे? यह ऐसा सवाल है जो हम शायद ही कभी सोचते हैं? यह ऐसा सवाल है जो हम शायद ही कभी सोचते हैं? इस सवाल का जवाब इस छोटी सी कहानी में तलाशा जा सकता है। बस अल्फ्रेड नोबेल की तरह ही हमें हम जो कर रहे हैं वह अच्छा है या बुरा? अगर हम भी चाहते हैं कि लोग हमें अच्छे व्यक्ति के रूप में याद रखें तो हमें अपने जीवन में अच्छे काम ही करने होंगे। तभी लोग हमें भले रूप में याद करेंगे।

दोस्ती

हाथों में हाथ लेकर
सुख-दुख को साथ लेकर
जो रिश्ते हैं मिले
उसे दोस्ती का नाम हैं दिये
इस खुबसूरत सफर में
दोस्ती की अनोखी डगर में
ऐ मेरे दोस्त! तेरी कसम
कभी साथ ना छोड़ेंगे हम
रहेंगे सदा तुम्हारे साथ
हर घड़ी में
कोई कमी ना रहे
हमारी दोस्ती की कड़ी में
खट्टी मीठी यादें लेकर
जाना है दूर तक
दोस्ती है निभानी हमें
जन्मों जन्मों तक।।

Gaurav Jain
Class XII-B
(2014-15)



WHAT IS INSPIRED SCHOOLING?

TATA class edge
Inspired Schooling

Can technology revolutionize education? Perhaps it can, but not by itself. Our experience in digital education internationally for the past quarter of a century tells us that technology alone cannot improve educational outcomes. It takes sound learning design, empowered teachers and meticulous implementation of systems to make a real difference. Thus, we created Tata ClassEdge, driven by the belief that better teachers make better children.

However, we realize that learning isn't restricted to classrooms, and schooling is a journey where teachers, schools and parents come together to provide the child a learning platform. That makes it all the more important for us to look at education and learning in a more holistic manner. That is why we developed Tata ClassEdge Coaches, an ecosystem of solutions based on our core philosophy of 'Inspired Schooling'. 'Inspired Schooling' was born out of our desire to enable teachers to create fulfilling learning experiences, schools to manage planning and administration with ease, parents to connect with their child's schooling and most importantly to inspire students to learn, think and imagine.

FOR A FREE CONSULTATION, CALL: TEL: 0922 288 0000 | WWW.TATACLASSEGE.COM | INFO@TATACLASSEGE.COM

THE POWER OF ONE

One Flower Can Make the Dream
One Tree Can Start the Forest
One Bird Can Herald Spring
One Smile Begins the Friendship
One Handclasp Can Lift a Soul
One Star Can Guide a Ship At Sea
One Word Can Frame the Goal
One Vote Can Change the Nation
One Candle Wipes Out Darkness,
One Laugh Will Conquer Gloom
One Step Starts Each Journey
One Word Starts Each Prayer
One Hope Will Raise Our Spirit
One Touch Can Show You Care
One Voice Can Speak With Wisdom
One Heart Can Know What's True
One Life Can Make the Difference
One Man Can Change The World.

Darshna Chauhan
Class XII-D
(2014-15)

Make a Difference

We are all gifted with a unique set of skills and abilities. With those abilities we can make extra-ordinary things happen in the world around us.

It is completely up to you whether you want your life to make a difference and what difference you want your life to make.

Many people set high goals for their lives and want to be remembered as visionaries, they want to change and save the world.

Others want to be remembered as the kind man or women down the street who always helped and always listened if you needed help.

Who do you think is the better person?

The one who changes the world or the one who saves the individual?

Do what not have to do incredible things; just being there for the people around you can save someone from a meaningless life and help them lead the life they were meant to live.

Changing the life of another person is an incredible feeling and it is completely within your grasp. You can do this by deciding to become a mentor for a young ambitious person. You can help them avoid the mistakes you have made and help them learn from the ones they will inevitably make themselves.

You will often see someone get treated unfairly. It happens both professionally and socially, individuals who deserve recognition do not get it.

By taking up the fight and making sure others get what they deserve and earned you will be a true hero. You will make a lasting impact on their lives and you will be rewarded with love and help in the future when you are in need.

The law of karma says that whatever you do you will get back three fold, helping others is therefore a selfish act, but still a good act, one that you should do without fear, with love and with the knowledge that you will one day be rewarded.

Compromise is the enemy of long term commitment, if you have committed to helping someone by being their mentor or by fighting for their rights, doesn't stop half way. Go the distance and see it through. Make sure something happens so all your work doesn't end up as only talk.

In truth we might all be here to help each other, we might all be a part of a machine that fosters cooperation, or were not. We might just be here to make the best of the situation for ourselves.

In any case, helping others brings happiness and prosperity into your own life, so for whatever reason you chose to help others, it will always help you in return.

The difference between stopping half way and finishing isn't much in terms of the work you put in, but worlds apart in the difference for the individual you are helping.

Karan Kocher
Class XII
(2014-15)

माँ

लाभ न जानूँ, हानि न जानूँ
माँ तेरी खुली चौखट ही जानूँ।
पाप न जानूँ, पुण्य न जानूँ
माँ तेरी हरी चुनर ही जानूँ।
सुख न जानूँ, दुःख न जानूँ
माँ तेरी सुनहरी ज्योत जानूँ।
हर्ष न जानूँ, बिसाद न जानूँ
माँ तेरी भोली, मूरत ही जानूँ।
किसको जानूँ, किसको न जानूँ
माँ को सृष्टि का अवतार जानूँ।



Pradyumna
Bakshi
Class XII
(2014-15)

Chemistry

Oh! You the subject chemistry

I treat you as a mystery.

With such a mystery of atoms,

I have dreams of phantoms

My head aches

When the test tube shakes.

Oh! You the subject chemistry,

You will make me as a pastry.

As hard as you are thought

But you have made my brain flow.

Sometimes you are acid,

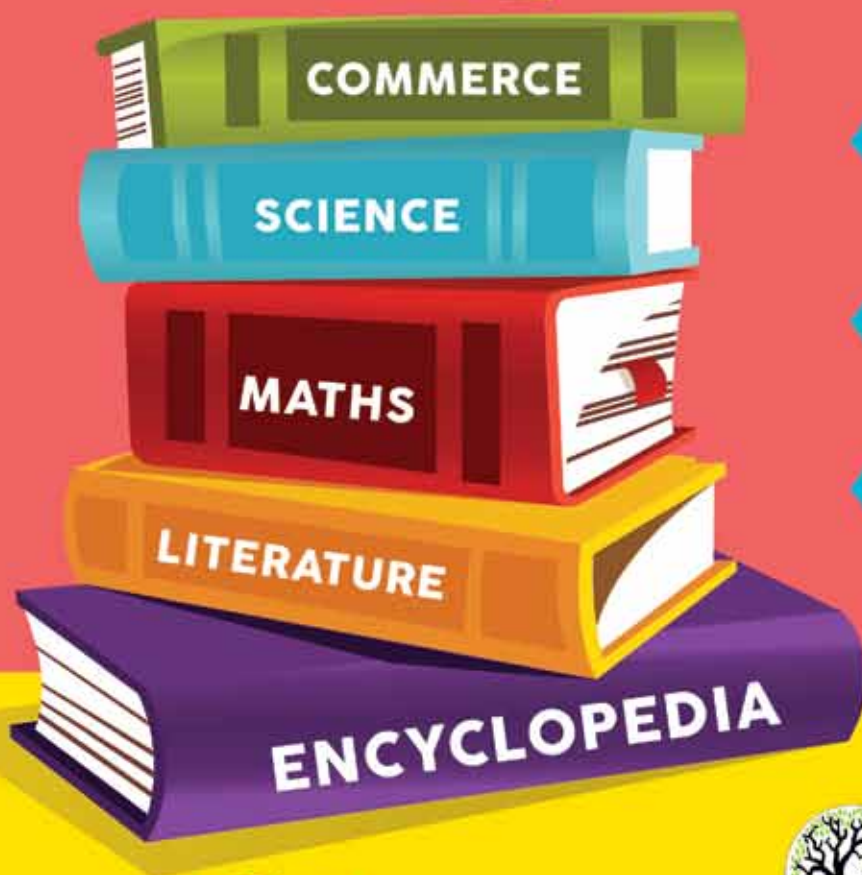
Sometimes you are base,

I don't know what I am in the case!

Oh! You the subject chemistry

You have bloom the science tree

Ritesh Pathak
Class XII
(2014-15)



SCHOOL

COLLEGE

CBSE

ICSE

INSTITUTES

**GOVERNMENT
LIBRARY**

**STATIONARY
SUPPLIER**

Shivam Publication



Beside Dr. Vinod Tiwari, Opposite- SBI, Near Tatyapara Chowk, G.E. Road, Raipur 492001
(C.G.) ☎ 0771-2220101-02 / 08889179996 ✉ cutomercare@shivampublication.com

My Routine

My dream is not to conquer the world,
Nor to explore the Earth,
But is to meet the sky,
Open my wings and fly.
My dream is not to flourish the lands.
But is to visit the sands,
Touch and feel it on my hands.
My dream is not in a beaten track like others,
It's like a bird with feathers,
Which is in a hope to reach its destination?
Without any estimation.
But I know one day,
Everything will be okay'
Then I will claim,
Yes, I'm the one with fame.



Aleena Shaji
Class III-A

बचपन

एक बचपन का जमाना था,
जिसमें खुशियों का खजाना था,
चाहत चांद को पाने की थी,
पर दिल तितली का दिवाना था।
खबर ना थी कुछ सुबह कि,
ना शाम का ठिकाना था।
थक कर आना स्कूल से,
पर खेलने भी जाना था।
माँ की कहानी थी,
परियों का फसाना था।
बारिश में कागज की नाव थी,
हर मौसम सुहाना था।
रोने की वजह ना थी,
ना हँसने का ठिकाना था।
क्यों हो गये हम इतने बड़े,
इससे अच्छा तो बचपन का जमाना था!!!

Pranjal Jain
Class IX-C

Meditation

Meditation is a practice when an individual trains the mind or induces a mode of consciousness, either to realize some benefit or for the mind to simply acknowledge its content without becoming identified with what content, or as an end in itself. Meditation is not based on religion, it is just a method to relax the mind and fill it with love, patience and power to tackle problems. It may involve generating an emotional state for the purpose of analyzing that state-such as anger, hatred, etc.,-or cultivating a particular mental response to various phenomena, such as compassion. Research on the process and effects of meditation is a growing subfield of neurological research. Activation of the parasympathetic nervous system

and stress relief are thought to play a role in meditations positive effects on chronic health conditions. Modern scientific techniques and instruments, such as FMRI and EEG, have been used to see what happens in the body of people when they meditate, and how their body and brain change after meditating regularly. The rest in meditation is deeper than the deepest sleep that you can ever have. When the mind becomes free from agitation, is claim and serene and at peace, meditation happens. The benefits of meditation are manifold. It is an essential practice for mental hygiene. A calm mind, good concentration, clarity of perception, improvement in communication

, blossoming of skills and talents, an unshakeable inner strength, healing, the ability to connect to an inner source of energy, relaxation, rejuvenation, and good luck are natural results of meditating regularly. In today's world where stress catches on faster than the eye can see or the mind can perceive, meditation is no more a luxury. It is a necessity. To be unconditionally happy and to have peace of mind, we need to tap into the power of meditation.



Tanvi Sanghvi
Class VIII-E